सच बोलने की हिम्मत

राजधानी चौपाल

RNI No. HARHIN/25/A3341

राजधानी चौपाल
समाचार पत्र में किसी भी प्रकार के समाचार, विज्ञप्ति और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें...
94169-26329
93068-13001

अंक : 16 | वर्ष : 01 | साप्ताहिक (01 से 07 मई 2026) | पृष्ठ 8 | मूल्य : 5/- रुपये | E-mail : rajdhanichoupal@gmail.com

गैस चूल्हा हुआ महंगा, गेमिंग पर सख्त हुआ पहरा

» 3000 के पार हुआ सिलेंडर, छोटू 261 की बढ़त ने बिगाड़ा महीने का बजट

» गेम ओवर! अब नियमों के चक्रव्यूह में फंसी गेमिंग कंपनियां, सट्टेबाजी पर लगा ताला

» क्या अब सस्ता होगा कच्चा तेल? भारत की बढ़ी उम्मीदें

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल) | आज 1 मई है और कैलेंडर का पन्ना बदलते ही देश की आर्थिक और नियामक व्यवस्था में बड़े उलटफेर हो गए हैं। राजधानी दिल्ली सहित पूरे देश में आज सुबह जब हलवाइयों ने अपनी कड़ाही चढ़ाई होगी या किसी छात्र ने चाय के लिए पानी गर्म किया होगा, तो उन्हें अहसास हुआ होगा कि मई का महीना सिर्फ सूरज की तपिश नहीं, बल्कि महंगाई की आंच भी साथ लाया है। इस महीने चार ऐसे बड़े बदलाव हुए हैं जो सीधे आपके किचन, आपके बच्चों के मोबाइल और देश की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने वाले हैं।

कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में भारी उछाल : मई की शुरुआत में ही तेल कंपनियों ने व्यापारिक जगत को जोर का झटका दिया है। दिल्ली में कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में 994 की भारी बढ़ोतरी की गई है, जिसके बाद अब इसकी कीमत 3071.50 तक पहुंच गई है। कल तक जो सिलेंडर 2078.50 में मिल रहा था, उसकी कीमत में आया यह उछाल छोटे रेस्टोरेंट मालिकों और हलवाइयों का गणित बिगाड़ देगा। हालांकि घरेलू रसोई गैस के दाम स्थिर हैं, लेकिन जब कमर्शियल सिलेंडर महंगा होता है, तो बाहर का खाना, होटल की थाली और शादियों में कैटरिंग के दाम बढ़ना लगभग तय माना जाता है।

छोटू सिलेंडर ने बढ़ाई छात्रों और मजदूरों की चिंता : महंगाई की दूसरी मार 5 किलो वाले फ्री ट्रेड एलपीजी सिलेंडर पर पड़ी है, जिसे आम भाषा में 'छोटू सिलेंडर' कहा जाता है। इसकी रिफिल कीमत में 261 का बड़ा इजाफा किया गया है, जिससे अब यह 813.50 का हो गया है। यह सिलेंडर उन लोगों के लिए लाइफलाइन होता है जिनके पास एड्रेस प्रूफ नहीं होता, जैसे कि प्रवासी मजदूर और बाहर रहकर पढ़ाई करने वाले छात्र। 261 की यह सीधी बढ़त इन वर्गों के मासिक बजट को पूरी तरह असंतुलित कर देगी, क्योंकि वे अपनी जरूरत के लिए इन्हीं खुले बाजार वाले सिलेंडरों पर निर्भर रहते हैं।

ऑनलाइन गेमिंग की दुनिया पर सरकार का सख्त पहरा : डिजिटल दुनिया में आज से एक नए युग की शुरुआत हुई है क्योंकि 'ऑनलाइन गेमिंग रूल्स 2026' प्रभावी हो गए हैं। अब देश में 'ऑनलाइन गेमिंग अथॉरिटी ऑफ इंडिया' एक सजग प्रहरी की तरह काम करेगी, जो हर गेम की कैटेगरी तय करेगी और उन पर निगरानी रखेगी। नए नियमों के तहत सट्टेबाजी वाले मनी गेम्स को पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया गया है, जबकि ई-स्पोर्ट्स और सोशल गेम्स के लिए पंजीकरण अनिवार्य होगा। अब विदेशी कंपनियों को भी भारतीय कानूनों के दायरे में आना होगा, जिसका अर्थ है कि अब गेमिंग के नाम पर सट्टेबाजी और धोखाधड़ी करना मुश्किल होगा।

बच्चों की सुरक्षा और गेमिंग की लत पर नकेल : सरकार ने ऑनलाइन गेम्स में सुरक्षा के लिहाज से कई कड़े फीचर्स अनिवार्य कर दिए हैं। अब हर गेमिंग प्लेटफॉर्म पर उम्र की सीमा, पेरेंटल कंट्रोल और टाइम लिमिट जैसे फीचर्स होंगे, जिससे बच्चों को गेमिंग की लत से बचाया जा सके।

साथ ही गेमिंग के दौरान होने वाले वित्तीय लेन-देन पर भी कड़ी नजर रखी जाएगी। इन नियमों से न केवल यूजर्स के लिए एक सुरक्षित माहौल बनेगा, बल्कि ई-स्पोर्ट्स को एक वैध खेल के रूप में पहचान मिलेगी और विदेशी कंपनियों पर लगाम कसने से सरकार के राजस्व में भी बढ़ोतरी होगी।

ईंधन निर्यात में राहत और नई परिभाषा का दौर

पेट्रोलियम क्षेत्र से एक राहत भरी खबर यह आई है कि केंद्र सरकार ने डीजल और हवाई ईंधन के निर्यात पर लगने वाली ड्यूटी को घटा दिया है। डीजल निर्यात पर लगने वाली ड्यूटी को 55.5 से घटाकर 23 प्रति लीटर कर दिया गया है, जिससे रिलायंस और नायरा जैसी बड़ी कंपनियों के मुनाफे में सुधार होगा। इसके साथ ही पेट्रोलियम मंत्रालय ने ईंधन की परिभाषा बदलते हुए अब हवाई ईंधन में सिंथेटिक फ्यूल की ब्लेंडिंग की अनुमति दे दी है। यह कदम विमानन क्षेत्र में पर्यावरण के अनुकूल ईंधन को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ी पहल माना जा रहा है।

▪ **ओपेक से यूएई की विदाई और वैश्विक तेल बाजार का नया समीकरण :** अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आज एक ऐतिहासिक बदलाव हुआ है क्योंकि संयुक्त अरब अमीरात ने खुद को तेल उत्पादक देशों के सबसे बड़े संगठन 'ओपेक' से अलग कर लिया है। ओपेक की पाबंदियों और प्रोडक्शन कोटा से बाहर निकलने के बाद अब यूएई अपनी मर्जी से तेल का उत्पादन बढ़ा सकेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल की सप्लाई बढ़ेगी और कीमतों में गिरावट आने की उम्मीद है। भारत जैसे बड़े तेल आयातक देश के लिए यह एक सुनहरा मौका है कि वह अपनी तेल आपूर्ति के लिए नए और सस्ते विकल्पों को तलाश सके।

तेल कंपनियों ने 116 करोड़ मुनाफा कमाया

इस दौरान क्रूड के दाम 71 डॉलर थे, यह कोरोना दौर के बाद सबसे कम

मुंबई| ईरान-अमेरिका जंग के बीच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ब्रेंट क्रूड गुरुवार को 126 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया था, जो 4 साल का उच्चतम स्तर है। हालांकि, बाद में दाम 116 डॉलर तक आ गए। ऐसे में एजेंसियों के हवाले से बताया जा रहा है कि ईरान युद्ध की वजह से महंगे कच्चे तेल से देश की तेल कंपनियों को रोजाना 2,400 करोड़ का नुकसान हो रहा है। पेट्रोल पर प्रति लीटर 14 रुपए और डीजल पर 18 रुपए का नुकसान झेलना पड़ रहा है। इससे पेट्रो मूल्य बढ़ाने का दबाव बना रही हैं। जबकि हकीकत ये है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में कच्चे तेल के औसत दाम महज 71 डॉलर प्रति बैरल रहे, जो कोविड वर्ष 2020-21 के बाद सबसे कम हैं।

हमारे लिए क्रूड का भाव $50 घट चुका

Q. ईरान सीजफायर के बाद क्रूड का क्या भाव है?
ईरान-अमेरिका युद्धबंदी के बाद कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आई है। इंडियन बास्केट में कच्चे तेल के दाम, जो 150 डॉलर पहुंच गए थे, अब 100 डॉलर प्रति बैरल के करीब आ गए हैं।

Q. सरकार ने क्या किया?
सरकार ने 27 मार्च को पेट्रोल और डीजल पर लगने वाली एक्साइज ड्यूटी में 10-10 रु. की कटौती की थी। इससे प्रति माह लगभग 12,000 करोड़ के राजस्व नुकसान का अनुमान लगाया है।

Q. सरकार घाटे की भरपाई कैसे कर रही?
सरकार ने डीजल के निर्यात पर लगने वाले 'विंडफाल टैक्स' का सहारा लिया है। 11 अप्रैल को सरकार ने डीजल निर्यात पर लगने वाले इस टैक्स को 21.50 रु. प्रति लीटर से बढ़ाकर सीधे 55.5 रुपये प्रति लीटर कर दिया।

Q. विंडफाल टैक्स से कितनी आय हो रही है?
भारत से हर महीने औसतन 191 करोड़ लीटर डीजल का निर्यात होता है। विंडफाल टैक्स बढ़ाने के बाद सरकार को केवल डीजल निर्यात से ही करीब 10,500 करोड़ रु. की मासिक आय हो रही है, जो एक्साइज ड्यूटी से हुए नुकसान की काफी हद तक भरपाई कर देती है।

Q. तेल कंपनियों ने क्या पाबंदियां लगाईं?
कंपनियां घाटा कम करने 'राशनिंग' का सहारा ले रही हैं। पंप संचालकों को निर्देश दिए गए हैं कि वे पिछले वर्ष की बिक्री के बराबर ही स्टॉक बेचें। एक बार में किसी भी ग्राहक को 200 लीटर से ज्यादा डीजल न देने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि उद्योगों को होने वाली बल्क सप्लाई को रोका जा सके।

रिकॉर्ड बरकत से झूम उठा सरकारी खजाना, जीएसटी कलेक्शन ने रचा नया इतिहास

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल) | भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए मई का महीना केवल चिलचिलाती धूप लेकर नहीं आया, बल्कि आर्थिक मोर्चे पर खुशहाली की एक ऐसी ठंडी फुहार लाया है जिसने अब तक के सारे रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए हैं। देश के आर्थिक स्वास्थ्य का सबसे सटीक पैमाना माना जाने वाला जीएसटी (GST) कलेक्शन अप्रैल 2026 में 2.42 लाख करोड़ के जादुई आंकड़े को पार कर गया है। राजधानी चौपाल के पाठकों के लिए यह जानना जरूरी है कि यह भारत के कर इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी वसूली है, जो देश की मजबूत होती क्रय शक्ति का जीता-जागता प्रमाण है।

आंकड़ों की बाजीगरी को समझें तो पता चलता है कि पिछले साल अप्रैल के मुकाबले इस बार 8.7% की शानदार बढ़त दर्ज की गई है। दरअसल, हर साल अप्रैल का महीना टैक्स कलेक्शन के मामले में 'सुपरहिट' रहता है। इसका कारण यह है कि मार्च में जब वित्त वर्ष का समापन होता है, तो देश भर की छोटी-बड़ी कंपनियां अपने साल भर के खातों का मिलान करती हैं। पुराने बकायों का निपटारा और अंतिम गणना के बाद जो पैसा सरकारी तिजोरी में पहुंचता है, उसकी असली चमक अप्रैल के आंकड़ों में ही दिखाई देती है। विशेषज्ञों के विश्लेषण में एक महत्वपूर्ण तथ्य 'नेट कलेक्शन' का भी है। सरकार ने 2.42 लाख करोड़ तो इकट्ठा किए, लेकिन इसमें से 31,793 करोड़ का रिफंड उन ईमानदार व्यापारियों को वापस भी किया जिन्होंने अपनी देनदारी से अधिक टैक्स जमा कर दिया था।

चांदी की कीमत सिर्फ 3 महीने में 45% कम हो गई, 4.4 लाख से घटकर अब 2.37 लाख प्रति किलो

मुंबई (राजधानी चौपाल) | चांदी की कीमतें सिर्फ तीन महीनों में करीब 45% घट चुकी हैं। इस तेज गिरावट ने निवेशकों को दुविधा चांदी की कीमतें सिर्फ तीन महीनों में करीब 45% घट चुकी हैं। इस में डाल दिया है। रिकॉर्ड ऊंचाई से फिसलने के बावजूद बाजार विशेषज्ञ इसे पूरी तरह कमजोर ट्रेंड नहीं, बल्कि 'करेक्शन फेज' (जोरदार तेजी के बाद स्वाभाविक गिरावट) मान रहे भू-राजनैतिक तनाव, मजबूत डॉलर और ब्याज दरों की अनिश्चितता कीमतों पर दबाव बनाए हुए हैं।

2026 की शुरुआत में चांदी ने जोरदार तेजी देखी। निवेश बढ़ने से 29 जनवरी को घरेलू बाजार में चांदी की वायदा कीमतें रिकॉर्ड 4,39,333 व्यति किलो तक पहुंच गई। एमसीएक्स पर भाव 4,24,316 प्रति किलो बंद हुआ। लेकिन 28 अप्रैल तक कीमतें 2,37,000 प्रति किलो रह गई। यानी तीन महीने में चांदी 1.87 लाख प्रति किलो सस्ती हो चुकी है। ये कमजोरी पश्चिम एशिया में संघर्ष, मजबूत डॉलर और अमेरिका में ब्याज दरों को लेकर अनिश्चितता के बीच देखी गई।

दिल्ली में चार मंजिला बिल्डिंग में आग, 9 की मौत : इनमें डेढ़ साल का बच्चा शामिल

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल)| दिल्ली के शाहदरा इलाके के विवेक विहार में एक चार मंजिला बिल्डिंग में रविवार सुबह भीषण आग लग गई। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई। इनमें 4 पुरुष, 4 महिलाएं और एक डेढ़ साल का बच्चा शामिल है। दिल्ली फायर सर्विस के मुताबिक, उन्हें सुबह करीब 3.47 बजे आग लगने की सूचना मिली थी। 4 घंटों की मशक्कत के बाद सुबह करीब 8 बजे आग पर काबू पाया गया। बिल्डिंग के अंदर फंसे 10 से 15 लोगों को बचाया गया। इनमें दो लोग घायल हुए हैं। मृतकों के शव बिल्डिंग के अलग-अलग फ्लोर से बरामद किए गए। स्थानीय पार्षद पंकज लूथरा ने बताया कि कुछ शव इतने बुरे तरह जल चुके हैं कि सिर्फ कंकाल बचा है। डीएनए टेस्ट के बाद ही मृतकों का पता चल पाएगा। हादसे को लेकर कुछ लोगों का कहना है कि शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी। वहीं कुछ स्थानीय लोगों ने बताया कि एसी में धमाके के बाद आग फैली। फिलहाल अधिकारियों की तरफ से असली कारण की पुष्टि नहीं हुई है।

कुलदीप बिश्नोई के भाजपा में बगावती सुर

बोले- रेखा से माफी मंगवाओ, वर्ना सरकार नहीं बनेगी; सांसद ने कहा था - भजनलाल बदमाशी कर इलेक्शन जीते

हिसार (राजधानी चौपाल) | हरियाणा में भाजपा की राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा के पूर्व मुख्यमंत्री भजनलाल पर दिए गए बदमाशी वाले बयान को लेकर कुलदीप बिश्नोई ने चुप्पी तोड़ी है। शनिवार शाम कुलदीप बिश्नोई ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर अपनी ही पार्टी को चुनौती दे दी।

कुलदीप बिश्नोई ने कहा कि रेखा शर्मा अभी नौसिखिया हैं। चौधरी भजनलाल पर रेखा शर्मा का बयान उनकी सोच दर्शाता है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली ने भी एक कार्यक्रम में चौधरी भजनलाल का नाम लिया, लेकिन उनके नाम के आगे 'जी' या 'चौधरी' नहीं लगाया। कुलदीप बिश्नोई ने पार्टी को चेतावनी दी कि अगर रेखा शर्मा ने माफी नहीं मांगी तो यह मामला यहीं नहीं रुकेगा। मेरी वजह से प्रदेश में दो बार सरकार बनी है। अगर यही घमंड रहा तो चौथी बार सरकार नहीं बनेगी। मुझे मजबूर न किया जाए कि मैं किसी को अर्श से फर्श पर ले आऊं।

अब जानिए कुलदीप बिश्नोई ने क्या कहा...

औकात से ज्यादा मिला, पद की गरिमा नहीं रखी

कुलदीप ने कहा- रेखा शर्मा का बयान भूल नहीं, उनकी सोच बताती है। इन जैसी नौसिसियों को ये नहीं पता कि इतिहास पढ़ना आसान है, लेकिन रचने के लिए खून पसीना एक करना पड़ता है। जिसे औकात से ज्यादा मिल जाए तो बहुत कम लोग उसे पचा पाते हैं। रेखा का भी यही हाल है। राज्यसभा के पद की गरिमा तो रख लेते।

दो बार सरकार बनाने में मेरा योगदान : कुलदीप ने भाजपा को चुनौती देते हुए कहा कि अगर भाजपा सरकार बनी तो वह कुलदीप की वजह से। तीन में से दो बार सरकार बनाने में मेरा योगदान है। पहले भाजपा को कोई नहीं जानता था। मेरे गठबंधन की वजह से सरकार बनी। अगर ऐसा ही घमंड रहा तो चौथी बार सरकार नहीं बनेगी। मुझे मजबूर मत कीजिए कि मैं आपको अर्श से फर्श पर लेकर आ जाऊं।

मैं पुराना बब्बर शेर हूं, हाथ नहीं लगा पाओगे

उन्होंने कहा कि मैं भाजपा का एक अनुशासित सिपाही हूं, इसलिए पार्टी को चुनौती देता हूं कि रेखा शर्मा से माफी मंगवाएं और मोहन लाल बड़ौली को कहें कि चौधरी भजनलाल का नाम सम्मान से लें। नहीं तो ये मामला यहां तक सिमित नहीं रहेगा। मैं वही पुराना बब्बर शेर हूं। आप उसके नजदीक जरूर जा सकते हैं, लेकिन हाथ लगाने की हिम्मत नहीं है।

आत्मनिर्भर भारत का विजय पर्व : 1 लाख लोगों ने हनुमान चालीसा का पाठ किया, विश्व रिकॉर्ड बना

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| गुरुग्राम के लेजरवैली में आयोजित कार्यक्रम 'आत्मनिर्भर भारत का विजय पर्व' में उपस्थित करीब 1 लाख लोगों ने मोबाइल की लाइट जलाकर विकसित भारत बनाने का संकल्प लिया। इस मौके पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी भी पहुंचे थे। कार्यक्रम में लोगों ने एक साथ हनुमान चालीसा पाठ करके विश्व रिकॉर्ड बनाया। इसके अलावा यहां रात करीब 9 बजे ड्रोन शो किया गया, जिसके जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, सीएम नायब सैनी और पुष्कर सिंह धामी के चित्र आकाश में बनाए गए।

गुरुग्रामः दो सोसायटियों के 1300 से अधिक परिवारों को मिली पीएनजी की आपूर्ति शुरू

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| सेक्टर-102ए स्थित इम्पीरियल गार्डन सोसाइटी और अडानी ओएस्टर सोसाइटी में पीएनजी की आपूर्ति शुरू हो गई। दोनों सोसाइटियों के निवासी पिछले एक साल से इंतजार कर रहे थे।

बुधवार शाम को पीएनजी सप्लाई शुरू करने से पहले पूजा करवाई गई। इस दौरान हरियाणा सिटी गैस के अधिकारी और कर्मचारी भी मौजूद रहे। इम्पीरियल गार्डन सोसाइटी में करीब 580 परिवार रहते हैं तो अडानी ओएस्टर में 750 परिवार रहते हैं। इन दोनों सोसाइटियों में छह महीने पहले पीएनजी पाइपलाइन डल गई थी, लेकिन पीएनजी सप्लाई को शुरू नहीं किया जा सका था।

वे इस सिलसिले में हरियाणा सिटी गैस और गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) कार्यालय में शिकायत कर रहे थे। हरियाणा सिटी गैस ने लोगों को तर्क दिया था कि जीएमडीए की तरफ से सरकारी जमीन पर पाइप लाइन डालने की मंजूरी नहीं देने की वजह से इन दोनों सोसाइटियों में पीएनजी सप्लाई शुरू करने में दिक्कत आ रही है। मामला जब मीडिया में उछला तो जीएमडीए ने आनन-फानन में पाइप लाइन डालने की मंजूरी हरियाणा सिटी गैस को दे दी।

मंजूरी मिलने के बाद हरियाणा सिटी गैस ने एक महीने में सारी औपचारिकताओं को पूरा करते हुए पीएनजी की पाइप लाइन डाल दी। पाइप लाइन से बुधवार को पीएनजी सप्लाई शुरू हो गई।

बुजुर्गों को हो रही थी सबसे अधिक दिक्कत

एलपीजी गैस सिलेंडर की वजह से बुजुर्गों को सबसे अधिक दिक्कत थी। बुजुर्ग और महिलाएं सिलेंडर खत्म होने के बाद उन्हें बदल नहीं सकती थी। ऐसे में उन्हें पड़ोसियों को बुलाना पड़ता था। इसके साथ-साथ लिफ्ट और टाइलों को सिलेंडर की वजह से नुकसान पहुंचता था। आगजनी की खतरा भी इस एलपीजी सिलेंडर से बना रहता था।

सिलेंडर में कम गैस आने की रहती थी शिकायत : इम्पीरियल गार्डन सोसाइटी की आडब्ल्यूए के उपप्रधान सुनील सरीन ने बताया कि एलपीजी गैस सिलेंडर में कम गैस आती थी। इसको लेकर सभी टावर के बाहर सिलेंडर को तौलने के लिए मशीन लगवा दी थी। फिर भी कम गैस की सप्लाई होती थी। इससे लोगों को आर्थिक नुकसान हो रहा था। सरीन के मुताबिक पीएनजी सप्लाई शुरू होने के बाद लोगों में खुशी है।

यहां भी आपूर्ति शुरू होगी : हरियाणा सिटी गैस के अधिकारी फतेह सिंह ने बताया कि इन दोनों सोसाइटियों के अलावा ज्वॉय विले, सनसिटी एवेनयू, गोदरेज आईकन, गोदरेज ओएसिस, राइजिंग होम्स, पुरी एमराल्ड बे, रहेजा वेदांता आदि सोसाइटियों में अगले एक से दो महीने के अंदर पीएनजी सप्लाई उपलब्ध करवाने की योजना है।

दो महीने तक रास्तों में बदलाव रहेगा

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| गुरुग्राम के सेक्टर-99ए और मानेसर क्षेत्र में आवाजाही करने वाले लोगों के लिए एक जरूरी खबर है। एक मई से इस इलाके की एक प्रमुख सड़क के पुनर्निर्माण का कार्य शुरू होने जा रहा है। ऐसे में अगले दो महीनों यानी 30 जून तक रास्तों में बदलाव रहेगा।

गुरुग्राम यातायात पुलिस ने लोगों को जाम और परेशानी से बचाने के लिए एक विस्तृत ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है। यातायात पुलिस के अनुसार पीएचसी गढ़ी से लेकर जीएमडीए रोड (पारीणा कोबान रेजीडेंसी के पास) तक की लगभग 1.8 किलोमीटर लंबी सड़क की हालत सुधारी जाएगी। भारी वाहनों और बढ़ते ट्रैफिक को देखते हुए इस सड़क का पुनर्निर्माण बेहद जरूरी था। काम को सुचारू रूप से चलाने के लिए प्रशासन ने इसे दो चरणों में बांटने का फैसला किया है।

न्यूज ब्रीफ

पानी के आठ अवैध कनेक्शन काटे गए

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| नगर निगम गुरुग्राम की टीम ने बुधवार को पानी के आठ अवैध कनेक्शनों की पहचान की और उन्हें मौके पर ही काट दिया। टीम ने संबंधित लोगों को हिदायत दी कि वे जल्द से जल्द विभागीय प्रक्रिया पूरी कर अपने कनेक्शन नियमित कराएं। निगम अधिकारियों ने बताया कि शहर में अवैध कनेक्शनों के कारण न केवल निगम को राजस्व का नुकसान झेलना पड़ता है, बल्कि आसपास के वैध उपभोक्ताओं की जल आपूर्ति व्यवस्था पर भी इसका सीधा और नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। पानी के प्रेशर में कमी आती है और जल वितरण प्रणाली बाधित होती है। जल संसाधनों के संरक्षण को पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से ही यह अभियान चलाया गया है।

गबन मामले में ग्राम सचिव निलंबित

रेवाड़ी (राजधानी चौपाल)| जिला परिषद रेवाड़ी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने खंड धारूहेड़ा में तैनात ग्राम सचिव विकास यादव को तुरंत प्रभाव से निलंबित कर दिया है। उन पर ग्राम पंचायत के फंड में अनियमितता बरतने और सरकारी आदेशों की अवहेलना करने का आरोप है। वर्ष 2021-22 के दौरान ग्राम पंचायत आशियाकी टप्पा जड़थल में पांच प्लॉटों को 4,09,500 रुपये की राशि पर पट्टे (लीज) पर दिया गया था। नियमानुसार पट्टे की पूरी राशि उसी दिन पंचायत फंड के खाते में जमा होनी चाहिए थी। आरोप है कि विकास यादव ने मात्र 3,99,500 रुपये जमा किए और शेष 10000 रुपये की राशि अपने पास ही रख ली थी। आदेश के बाद भी राशि जमा नहीं कराई। विकास यादव को 45 दिनों में स्पष्टीकरण देना है।

आपदा से निपटने के लिए तैयारी होगी

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की वित्तायुक्त डॉ. सुमिता मिश्रा ने बुधवार को वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से बैठक लेकर जिला उपायुक्त को आदेश दिए कि बाढ़, हीटवेव और सूखे जैसी आपदाओं से निपटने के लिए कंट्रोल रूम बनवाएं। जिलास्तर पर समन्वित प्रणाली को मजबूत बनाएं। उन्होंने कहा कि मई माह के मध्य तक बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित करें। समन्वय और रिपोर्टिंग के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त करें। इसके लिए संचार प्रणाली, इंटरनेट कनेक्टिविटी और पर्याप्त जनशक्ति सुनिश्चित करने पर जोर दिया। सूखे की स्थिति से निपटने के लिए कृषि एवं किसान कल्याण विभाग को नोडल एजेंसी नामित किया। संबंधित विभागों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

कूड़े पर शुल्क हटाने की सिफारिश भेजी

फरीदाबाद (राजधानी चौपाल)| शहर के व्यापारियों को कूड़ा कलेक्शन शुल्क को लेकर बड़ी राहत मिली है। हरियाणा व्यापार मंडल के लगातार प्रयासों और स्थानीय व्यापारियों की मांग पर निगमायुक्त द्वारा ऑर्डर के अनुसार, प्रॉपर्टी टैक्स के साथ एनडीसी पोर्टल पर वसूले जा रहे गार्बेज कलेक्शन चार्ज को हटाने के लिए सरकार को सिफारिश भेजी गई है। हरियाणा उद्योग व्यापार मंडल के प्रधान राम जुनैजा ने बताया कि शहर के कई इलाकों में डोर-टू-डोर कूड़ा उठाने की व्यवस्था सही तरीके से लागू नहीं है। ऐसे में व्यापारियों से यह शुल्क वसूलना उचित नहीं है। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि जिन व्यापारियों ने पहले ही यह शुल्क जमा कर दिया है, उन्हें रकम लौटाई जाएं।

प्रत्याशियों को चुनाव चिह्न आवंटित किए

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| हरियाणा राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिला की विभिन्न पंचायतों में उपचुनाव के लिए प्रत्याशियों को चुनाव चिह्न अलॉट किए गए हैं। जिला में दस पंचायतों में पंच पद के लिए भी नामांकन आमंत्रित किए थे। इसमें से चार पंचायतों में निर्विरोध पंच चुने गए हैं। वहीं, छह पंचायतों में कोई नामांकन प्राप्त नही हुआ। जिला प्रशासन के प्रवक्ता ने बताया कि खंड पटौदी की ग्राम पंचायत बासपदमका में सरपंच पद के लिए राजवीर सिंह को साइकिल चुनाव चिन्ह , राजीव कुमार कांच के गिलास चुनाव चिन्ह तथा वीरेंद्र सिंह नारियल के पेड़ चुनाव चिन्ह पर चुनाव लड़ेंगे। वहीं खंड सोहना की पंचायत समिति, वार्ड नंबर पांच से मीना ब्लैक बोर्ड चुनाव चिह्न आवंटित हुआ।

रिटायर्ड कर्नल से पौने चार लाख ठगे

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| जालसाजों ने झांसे में लेकर सेवानिवृत्त कर्नल से तीन लाख 70 हजार रुपये की ठगी कर डाली। पुलिस ने शिकायत पर साइबर थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सेक्टर-49 स्थित साउथ सिटी-2 के रहने वाले एक सेवानिवृत्त कर्नल धूमिराम यादव ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनके पास नौ अप्रैल को एक अनजान नंबर से फोन आया। फोन करने वाले ने खुद को कर्नल का भांजा बताया और बातों-बातों में विश्वास दिलाया कि वह किसी बड़ी मुसीबत में फंस गया है। उसे तुरंत पैसों की जरूरत है। सेवानिवृत्त कर्नल ने अपने भांजे की मदद के इरादे से जालसाज द्वारा बताए गए बैंक खातों में रुपये ट्रांसफर कर दिए। बाद में ठगी का पता चला।

विरोध के बीच पांच दुकानें सील की गईं

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण ने शुक्रवार को सेक्टर-चार स्थित एचएसवीपी बाजार में विरोध के बीच पांच दुकानें सील कर दीं। इन दुकानों को किराये पर दिया हुआ था। पुलिस बल की मौजूदगी में इन दुकानों पर कब्जा लिया गया। एचएसवीपी के उपमंडल अधिकारी सर्वे अजमेर सिंह के नेतृत्व में सीलिंग कार्रवाई की गई। साल 1987 में इन दुकानों को किराये पर दिया था। इन दुकानों को खाली करने के लिए कई बार नोटिस दिया था, लेकिन दुकानदारों ने खाली नहीं किया था। पुलिस की मौजूदगी में विरोध के बीच दुकानों को खाली करवाया गया। जेई ललित हंस ने बताया कि सील को तोड़ा गया तो उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाएंगे।

रिपोर्ट : मिलेनियम सिटी में 20 हजार से अधिक अवैध निर्माण

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| हरियाणा में स्टिल्ट प्लस फोर मंजिला निर्माण के नाम पर अतिक्रमण और अवैध निर्माण करने वालों पर सख्ती शुरू हो गई है। नगर निगम की आंतरिम रिपोर्ट में 20 हजार से अधिक अवैध निर्माण होने की बात सामने आई है। इसे हटाए जाने हैं।

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट द्वारा इस मामले में अपनाए गए कड़े रुख और हालिया अंतरिम आदेशों के बाद, हरियाणा सरकार के शहरी स्थानीय निकाय निदेशालय में हड़कंप मच गया है। निदेशालय ने प्रदेश के सभी नगर निगमों और नगर परिषदों के लिए अति आवश्यक नोटिस जारी करते हुए गुरुवार को रात 9:30 बजे तक हर हाल में अवैध निर्माण और उस पर की जाने वाली कार्रवाई को लेकर विस्तृत रिपोर्ट सौंपने का अल्टीमेटम दिया था, लेकिन निगम की तरफ से शुक्रवार शाम तक रिपोर्ट नहीं दी गई। हाईकोर्ट में दायर जनहित याचिका (सुनील सिंह बनाम हरियाणा राज्य) पर सुनवाई करते हुए अदालत ने कड़े निर्देश दिए हैं। अदालत ने स्पष्ट किया है कि गुरुग्राम के डीएलएफ फेज-1 जैसे क्षेत्रों में किए गए निरीक्षण के बाद जारी किए गए आदेश फिलहाल गुरुग्राम जिले पर केंद्रित हैं, लेकिन पूरे प्रदेश में बुनियादी ढांचे और नियमों के उल्लंघन को लेकर अदालत का रुख बेहद सख्त है। अदालत ने नगर पालिकाओं और राज्य के अधिकारियों को खुली छूट देते हुए उन सभी निर्माणों और अतिक्रमणों को तुरंत हटाने के आदेश दिए हैं, जो नगर पालिका के तय मानदंडों का उल्लंघन करते हैं।

निदेशालय ने चेतावनी दी है कि रिपोर्ट सौंपने में देरी को हाईकोर्ट में राज्य के बचाव में बाधा माना जाएगा और संबंधित अधिकारियों के खिलाफ सख्त विभागीय कार्रवाई की जाएगी। हालांकि निगम की तरफ से शुक्रवार शाम तक रिपोर्ट नहीं भेजी गई है। सड़कों पर किए गए सभी अतिक्रमण हटाए जाएंगे। विशेष रूप से घरों के बाहर ग्रीन बेल्ट में किए गए अवैध निर्माण, ऊंची चारदीवारी और रैंप को तुरंत ध्वस्त किया जाएगा।

शहर की 600 हाईराइज सोसाइटियों के पास दमकल विभाग की वैध एनओसी तक नहीं, आग लगने पर हो सकता है खतरा

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| शहर में एक तरफ जहां सौ मीटर से अधिक ऊंची इमारतों का निर्माण लगातार हो रहा है और उन्हें फायर एनओसी बांटी जा रही है, वहीं दूसरी ओर दमकल विभाग के पास इन ऊंची इमारतों में आग बुझाने के लिए जरूरी हाइड्रोलिक प्लेटफार्म तक उपलब्ध नहीं है।

दिल्ली की एक हाउसिंग सोसाइटी में हाल ही में हुई भीषण आग की घटना के बाद भी सिस्टम ने कोई सबक नहीं लिया है। हालात इतने खराब हैं कि शहर की करीब 600 हाईराइज रेजिडेंशियल सोसाइटियों के पास दमकल विभाग की वैध एनओसी तक नहीं है।

शहर की ऊंची इमारतों में फायर सेफ्टी नियमों की लगातार अनदेखी की जा रही है। दमकल विभाग इन छह सौ सोसाइटियों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई करने के बजाय केवल नोटिस भेजकर कागजी खानापूर्ति कर रहा है।

नियमों के मुताबिक, यह पूरी तरह बिल्डरों और आरडब्ल्यूए की

जिम्मेदारी है कि वह सोसाइटियों में आग बुझाने के सभी उपकरण चालू हालत में रखें और समय-समय पर फायर विभाग से एनओसी रिन्यू कराएं। लेकिन, इन नियमों का पालन न होने के कारण इन सोसाइटियों में रहने वाले हजारों परिवारों की सुरक्षा पर हर समय बड़ा खतरा मंडराता रहता है।

बढ़ती ऊंचाइयों के मुकाबले शहर का फायर सिस्टम काफी पीछे छूट गया है। दमकल विभाग के पास 42 मीटर ऊंचाई तक पहुंचने वाला इकलौता हाइड्रोलिक प्लेटफार्म था, जो अब कंडम (कबाड़) हो चुका है। ऐसे में किसी भी बहुमंजिला इमारत में आग लगने जैसी बड़ी आपात स्थिति पैदा होने पर दमकल विभाग को पूरी तरह से निजी संसाधनों पर निर्भर रहना पड़ता है। विशेष रूप से डीएलएफ प्रबंधन के पास मौजूद 90 मीटर हाइड्रोलिक प्लेटफार्म की मदद ली जाती है। हालांकि, आपातकाल में वह हर समय तुरंत उपलब्ध हो, यह जरूरी नहीं है। विभाग पिछले 10 सालों से 104 मीटर ऊंचाई वाले आधुनिक हाइड्रोलिक प्लेटफार्म का इंतजार कर रहा है।

फरीदाबाद जिले में एक भी हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म वाली दमकल गाड़ी नहीं है, जो ऊंची इमारतों में लगी आग बुझाने के लिए बेहद जरूरी मानी जाती है। 10-15 मंजिल या उससे अधिक ऊंची इमारतों में आग लगने पर बिना हाइड्रोलिक सिस्टम के आग पर काबू पाना बेहद कठिन हो जाता है। ऐसे में दमकल विभाग को सीमित संसाधनों के साथ ही काम चलाना पड़ता है। बता दें कि ग्रेटर फरीदाबाद की कई सोसाइटियों में अभी हाल ही में आग लगी है। इसमें दमकल विभाग आग बुझाने में पूरी तरह से नाकाम साबित रहा है। सोसाइटीवासियों के आपसी सहयोग और सोसाइटी में मौजूद फायर फाइटिंग सिस्टम से ही आग पर काबू पाया जा सका है।

सार्वजनिक शौचालय भी बदहाल, कई स्थानों पर दरवाजे नहीं

महिलाओं के लिए एक भी पिंक शौचालय नहीं

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| मिलेनियम सिटी के रूप में पहचान बना चुके गुरुग्राम में महिला सशक्तिकरण के दावे जमीनी स्तर पर खोखले नजर आ रहे हैं। नगर निगम हर साल करीब 350 करोड़ रुपये सफाई व्यवस्था पर खर्च करता है, इसके बावजूद शहर में महिलाओं के लिए एक भी पिंक शौचालय उपलब्ध नहीं है।

स्थिति यह है कि निगम द्वारा बनाए गए करीब 114 सार्वजनिक शौचालयों में से कोई भी महिलाओं की गरिमा, सुरक्षा और निजता के मानकों पर खरा नहीं उतरता। कई स्थानों पर महिला शौचालय बंद पड़े हैं या उन पर ताले लटके हुए हैं।

शहर में अधिकांश सार्वजनिक शौचालयों में पुरुष और महिला ब्लॉक एक साथ बनाए गए हैं, जिससे महिलाओं को वहां जाने में असहजता महसूस होती है। रखरखाव के अभाव में कहीं सीटें

टूटी हुई हैं, तो कहीं पानी की सुविधा तक नहीं है। कई स्थानों पर दरवाजे गायब हैं और शौचालयों के बाहर अतिक्रमण के कारण महिलाओं का पहुंचना मुश्किल हो जाता है।

पार्कों में बने शौचालयों की स्थिति भी दयनीय : कमला नेहरू पार्क और सेक्टर-15 क्षेत्र के पार्कों में बने शौचालयों की हालत भी बदतर है। गंदगी और दुर्गंध के कारण महिलाएं उनका उपयोग नहीं कर पातीं। लघु सचिवालय और जिला अदालत परिसर के बाहर बने शौचालयों में भी महिलाओं के लिए पर्याप्त सुविधाएं नहीं हैं, जबकि यहां रोज सैकड़ों महिला कर्मचारी, वकील और फरियादी आती हैं।

डाकखाना चौक पर अतिक्रमण : शहर के सबसे व्यस्त और पुराने सदर बाजार की हालत सबसे ज्यादा दयनीय है। यहां खरीदारी के लिए रोजाना हजारों महिलाएं आती हैं। बाजार के डाकखाना चौक पर बने सार्वजनिक शौचालयों के ठीक सामने स्थानीय दुकानदारों और रेहड़ी-पटरी वालों ने अवैध रूप से कब्जा किया हुआ है। वहीं, सदर बाजार के ही जैन मंदिर के पास नगर निगम ने महिलाओं के लिए एक शौचालय बनवाया तो है, लेकिन उस पर अक्सर ताला लटका रहता है। बाजार में हजारों महिलाओं का आवागमन होने के बावजूद उनकी इस बुनियादी जरूरत की पूरी तरह अनदेखी की जा रही है।

गुरुग्राम नगर निगम के कार्यकारी अभियंता सुंदर श्योराण ने बताया कि महिलाओं के लिए अलग से पिंक शौचालय नहीं बनाए गए हैं। जिन शौचालयों की बदहाल स्थिति है उनकी जल्द मरम्मत करवाई जाएगी। इसको लेकर संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिए गए हैं।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 : सफाई निरीक्षकों को प्रशिक्षण दिया

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में गुरुग्राम को देश के शीर्ष स्वच्छ शहरों की सूची में लाने के लिए नगर निगम ने तैयारियां तेज कर दी हैं। बुधवार को नगर निगम कार्यालय में सहायक सफाई निरीक्षकों (एएसआई) और सफाई निरीक्षकों (एसआई) की कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए कार्यशाला में प्रशिक्षण दिया।

इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य फील्ड अधिकारियों को सर्वेक्षण के नए मानकों, तकनीकी प्रक्रियाओं और ग्राउंड वर्क के प्रति पूरी तरह से प्रशिक्षित करना था। इस दौरान मास्टर ट्रेनर्स ने अधिकारियों को स्वच्छ सर्वेक्षण के विभिन्न तकनीकी पहलुओं की बारीकी से जानकारी दी। निरीक्षकों को फील्ड सर्वे के दौरान सही और स्पष्ट फोटोग्राफी करने, मोबाइल ऐप के माध्यम से सही डाटा अपलोड करने और स्वच्छता मानकों के अनुरूप कार्य सुनिश्चित करने की ट्रेनिंग दी गई।

निरीक्षकों को बताया गया कि सर्वेक्षण के दौरान आवासीय क्षेत्रों, बाजारों, सार्वजनिक स्थलों, नालों और कचरा निपटान स्थलों का सटीक निरीक्षण कैसे करना है। इसके साथ ही, अधिकारियों को सिटिजन फीडबैक को पूरी गंभीरता से लेने और जनता के बीच स्वच्छता के प्रति जागरुकता बढ़ाने के निर्देश दिए गए। कार्यशाला को संबोधित करते हुए अतिरिक्त निगम आयुक्त रविन्द्र यादव ने कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण केवल एक वार्षिक प्रतियोगिता नहीं है, बल्कि यह शहर की स्वच्छता प्रणाली को स्थायी रूप से मजबूत करने का एक बड़ा माध्यम है।

इसमें ग्राउंड जीरो पर काम करने वाले निरीक्षकों की भूमिका सबसे अहम होती है, क्योंकि उनकी निरंतर कार्यप्रणाली और कड़ी निगरानी से ही शहर में वास्तविक स्वच्छता सुनिश्चित होती है। वहीं, निगम के संयुक्त आयुक्त डॉ. प्रीतपाल सिंह ने सभी अधिकारियों को सर्वेक्षण के दिशा-निर्देशों का पालन करने के निर्देश दिए।

आदमपुर मंडी : 1 सरपंच प्रत्याशी ने नाम वापस लिया, जवाहर नगर चुनाव में 5 महिला प्रत्याशियों के बीच होगा मुकाबला

मंडी आदमपुर में 8 तो जवाहर नगर में 9 पंच चुने निर्विरोध

नामांकन वापसी के अंतिम दिन तक मंडी आदमपुर पंचायत में 12 पंच उम्मीदवारों द्वारा नामांकन पत्र वापस लिए जाने से अब तक कुल आठ पंच निर्विरोध चुने गए। वहीं जवाहर नगर में पांच उम्मीदवारों द्वारा आवेदन वापस लिए जाने से अब तक कुल नौ पंच निर्विरोध चुने गए। मंडी आदमपुर पंचायत में पंच पद के लिए 20 में से 12 वार्डों में मतदान होगा, वहीं जवाहर नगर के 17 में से सात में चुनाव होगा। वार्ड नंबर-12 में कोई आवेदन न आने से यह वार्ड खाली रह गया।

मंडी आदमपुर (राजधानी चौपाल) | मंडी आदमपुर और जवाहर नगर ग्राम पंचायत में 10 मई को होने वाले चुनाव को लेकर मंगलवार को नामांकन पत्र वापसी के अंतिम दिन मंडी आदमपुर से सरपंच पद के एक उम्मीदवार अंकित बंसल ने आवेदन वापस लिया है। अब आधा दर्जन उम्मीदवार मैदान में रह गए हैं।

वहीं जवाहर नगर में दो महिलाएं मंजू देवी और पूनम लता द्वारा आवेदन वापस लेने से पांच महिलाएं मैदान में रह गई हैं। सभी उम्मीदवारों को चुनाव चिह्न अलॉट किए गए। मंडी आदमपुर में सरपंच पद के लिए पूर्व सरपंच सुभाष अग्रवाल के बेटे जगतपाल अग्रवाल, जगदीश भादू, पंकज मंगल, मोहित गोयल, राकेश जांगड़ा व राजेंद्र कुमार के बीच मुकाबला है। जवाहर नगर में कमलेश रानी, तारा रानी, नीलम धांधल, परविंद्र कौर व सलमा चुनाव मैदान में हैं।

मंडी आदमपुर में ये चुने गए निर्विरोध पंच : मंडी आदमपुर के वार्ड नंबर-2 आयुषी जैन, 5 से विनोद कुमार, 6 से पूनम देवी, 8 से मायावती, 9 से से आशीष बंसल, 12 से नीलम सोनी, 14 से प्रोमिला देवी, 16 सुषमा रानी निर्विरोध पंच चुने गए। वहीं जवाहर नगर के वार्ड नंबर-1 से चमेली देवी, 4 से मुस्कान, 5 से रुमी, 6 से रवि, 7 से मनिंद्र कौर, 8 से विनोद कुमार, 9 से सलोनी, 15 से प्रवीण, 16 से रेखा निर्विरोध पंच बने हैं।

तीन गांवों में निर्विरोध बने पंच : जवाहर नगर व मंडी आदमपुर में आम चुनाव के साथ-साथ किसी कारणवश गांव आदमपुर, चूली बागड़ियान व सदलपुर के एक-एक वार्ड में रिक्त पड़े पदों के लिए उपचुनाव प्रक्रिया चल रही रही है। तीनों गांवों में पंचों का चयन निर्विरोध किया है। गांव आदमपुर में सुशील, चूली बागड़ियान से विकास व सदलपुर से सुनील कुमार निर्विरोध पंचायत सदस्य चुना गया है।

उकलाना नपा : चेयरपर्सन के 4 तो 15 वार्डों में पार्षद पद के 54 प्रत्याशी

हिसार (राजधानी चौपाल) | उकलाना नगर पालिका चुनाव के लिए मंगलवार को नामांकन प्रक्रिया पूरी हो गई। अब चेयरमैन पद के लिए 4 उम्मीदवार मैदान में हैं। किसी प्रत्याशी ने अपना नाम वापस नहीं लिया। यहां भाजपा ने ही अपना उम्मीदवार उतारा है। अन्य किसी राजनीतिक में दल ने अपना प्रत्याशी नहीं उतारी है। तीन उम्मीदवार निर्दलीय मैदान में हैं। 9 वार्डों से 11 प्रत्याशियों ने अपने नाम वापस ले लिये हैं। इस तरह 15 वार्डों अब 54 प्रत्याशी मैदान में हैं। जबकि वार्ड संख्या 7 से अभयराम निर्विरोध निर्वाचित हो गए। उकलाना में 10 मई को मतदान होगा। इसके लिए जिला

प्रशासन ने तैयारी पूरी कर ली है। नगर पालिका के चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया का अंतिम दिन थी। इसमें चेयरमैन पद के लिए चार प्रत्याशी मैदान हैं। इनमें किसी ने अपना नाम वापस नहीं लिया। अब चार प्रत्याशी मैदान में डटे हैं। चेयरमैन पद पर सिर्फ भाजपा ने अपने प्रत्याशी के तौर निकिता गोयल को मैदान में उतारा है। तीन प्रत्याशी सोनिया बतरा, मीनू रानी, रीमा सोनी निर्दलीय मैदान में डटी हैं। इसके साथ वार्ड 1, 2, 5, 8, 9, 12, 13, 15 से 1-1 और वार्ड 16 से 2 प्रत्याशियों ने अपने नाम वापस लिये हैं। इस तरह अब 15 वार्डों में 54 प्रत्याशी मैदान में हैं। 10 मई को 16 बूथों पर मतदान, हर बूथ पर 2 ईवीएम लगेगीः उकलाना नगर पालिका के चुनाव के लिए 10 मई को सुबह 8 बजे से सायं 6 बजे तक मतदान होगा। इसके लिए 16 बूथ बनाए गए हैं। इनमें 4 बूथ संवेदनशील श्रेणी रखे गए हैं। चेयरमैन और पार्षदों का चुनाव एक साथ होने के कारण हर बूथ पर दो ईवीएम लगाई जाएगी। बूथ संख्या 7 पर सिर्फ चेयरमैन के लिए ही मतदान होगा इसलिए यहां सिर्फ के एक मशीन लगाई जाएगी।

जनगणना 2027 • 2217 ब्लॉकों में पहले दिन प्रगणकों ने की घरों की नंबरिंग शुरू

साझा चूल्हा तय करेगा आपका परिवार, हॉस्टल में रह रहे छात्र वहीं गिने जाएंगे

यदि मेस में खाना खाते हैं तो संस्थागत परिवार गिना जाएगा

अगर आपके यहां किरायेदार अपना खाना अलग बनाता है तो वह एक अलग परिवार माना जाएगा। अगर वह मकान मालिक के साथ खाना खाता है तो उसे मकान मालिक के परिवार का सदस्य गिना जाएगा। अगर किसी पीजी में 60 लोग रहते हैं और उनमें से 30 एक मैस में खाना खाते हैं, तो उन 30 लोगों को एक "संस्थागत परिवार" माना जाएगा। बाकी 30 लोग जो अपना खाना खुद बनाते या बाहर खाते हैं, उन्हें 30 अलग-अलग एकल परिवार माना जाएगा।

हिसार (राजधानी चौपाल) | जिले में डिजिटल जनगणना-2027 की प्रक्रिया शुक्रवार से शुरू हो गई। जनगणना की टीमों ने घर-घर जाकर डेटा जुटाने का काम शुरू कर दिया। इस अभियान के पहले चरण में मकानों का सूचीकरण और उनकी गिनती की जाएगी। 2217 ब्लॉक बनाए गए हैं। प्रत्येक ब्लॉक में एक प्रगणक हाउस गणना करेगा। इनकी निगरानी के लिए 370 सुपरवाइजर रहेंगे। अपने-अपने फील्ड में उतरे प्रगणकों ने पहले दिन घरों पर नंबरिंग की। जनगणना कर्मियों के लिए सरकार ने नई गाइडलाइन की जारी है। इस बार नियमों में कई रोचक बदलाव किए गए हैं, जो यह तय करेंगे कि आप एक परिवार का हिस्सा हैं या अलग इकाई।

जनगणना के नियमों ये किए बदलाव जनगणना 2027 में तय किए नए नियमों के मुताबिक, परिवार की परिभाषा अब "साझा चूल्हे" से तय होगी। अगर एक ही छत के नीचे चार भाई अलग-अलग कमरों में रहते हैं, उनके पास अलग राशन कार्ड और बिजली कनेक्शन हैं, लेकिन वे खाना एक ही किचन में खाते हैं तो उन्हें जनगणना में एक ही परिवार माना जाएगा। डीसी महेंद्र पाल ने बताया कि नागरिक किसी भी समस्या या सुझाव के लिए हेल्पलाइन 01662-226633 पर सुबह 9 से 5 बजे तक संपर्क कर सकते हैं।

पूछेंगे-कार है और नहीं?

जनगणना में संपत्तियों के ब्यौरे को लेकर भी स्थिति साफ की गई हैः ऑटो, ट्रैक्टर और कार नहींः अगर आपके पास ऑटो रिक्शा, ई-रिक्शा या ट्रैक्टर है तो उसे टू-व्हीलर या फोर-व्हीलर की श्रेणी में नहीं गिना जाएगा। अगर आप ड्राइवर हैं और मालिक की कार आपके पास रहती है जिसे आप इमरजेंसी में परिवार के लिए इस्तेमाल करते हैं तो उसे आपकी संपत्ति में 'हां' दर्ज किया जाएगा। अगर आप मोबाइल पर टीवी देखते हैं तो इसका मतलब यह नहीं कि आपके पास टीवी है। एंट्री के लिए घर में फिजिकल टीवी सेट होना जरूरी है।

कोड मांग सत्यापित किया : शहरी इलाकों में 590 ब्लॉकों में टीमें पहुंची। टीमों ने अपने-अपने ब्लॉक में घरों पर मार्किंग के साथ घरों पर नंबरिंग की। जिन घर पर लोगों ने स्वगणना की, उनसे कोड मांग कर सत्यापित किया गया। शहर में 590 प्रगणक और 99 सुपरवाइजर लगाए हैं। नोडल अधिकारी वीरेंद्र सहारण ने बताया कि पहले दिन कोई शिकायत कहीं से नहीं आई है।

घर की बनावट पर नजर

अगर घर की छत पर "खपरैल" या कवेलू है तो उसे "हैंडमेड टाइल्स' के विकल्प में दर्ज करना होगा। बहुमंजिला इमारतों में आपकी छत वही मानी जाएगी जो आपके फ्लोर के ठीक ऊपर है। अगर छत अलग-अलग मटेरियल से बनी है तो उस मटेरियल को चुना जाएगा जो सबसे ज्यादा हिस्से को कवर करता है।

जाति और निवास नियम

किसी व्यक्ति की जाति हरियाणा की सूची के आधार पर तय होगी जहां वह अभी रह रहा है। अगर आपकी जाति आपके मूल राज्य में एससी है लेकिन वर्तमान राज्य (जहां जनगणना हो रही की लिस्ट में नहीं है तो आपको "अन्य" में गिना जाएगा। बच्चा पढ़ाई के लिए दूसरे शहर में है और साल का अधिकतर समय वहीं है, तो उसे घर के सदस्यों में नहीं गिना जाएगा।

वोर्जो इलेक्ट्रिक ने मजदूर दिवस पर श्रमिकों का सम्मान किया

हिसार (राजधानी चौपाल) | हिसार स्थित इलेक्ट्रिक स्कूटर निर्माण कंपनी वोर्जो इलेक्ट्रिक ने अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर अपने श्रमिकों के सम्मान में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। इस मौके पर कंपनी द्वारा श्रमिकों के लिए भोज (फीस्ट) का आयोजन किया गया और उनके योगदान को सराहा गया। कंपनी ने इस अवसर पर अपने कर्मचारियों को विशेष महसूस कराने के लिए कई गतिविधियां आयोजित कीं और उनके परिश्रम एवं समर्पण के लिए धन्यवाद व्यक्त किया। वोर्जो इलेक्ट्रिक, जो कि राधिका इलेक्ट्रॉनिक्स ग्रुप के अंतर्गत संचालित होती है, देशभर में अपने डीलरशिप नेटवर्क और फ्लैगशिप स्टोर के माध्यम से इलेक्ट्रिक स्कूटर की आपूर्ति करती है। कंपनी के निदेशक मिहिर मेहता और मुकुल मेहता ने इस अवसर पर कहा कि श्रमिक किसी भी संगठन की सबसे बड़ी ताकत होते हैं। उन्होंने कहा कि श्रमिकों के निरंतर प्रयास और मेहनत के बिना कंपनी की प्रगति संभव नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि मजदूर दिवस हमारे लिए केवल एक अवसर नहीं, बल्कि हमारे श्रमिकों के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करने का दिन है। हम उनके योगदान को दिल से सराहते हैं और भविष्य में भी उनके साथ इसी तरह आगे बढ़ते रहेंगे। वोर्जो इलेक्ट्रिक ने इस विशेष दिन को अपने श्रमिकों के साथ मिलकर उत्साह पूर्वक मनाया और उनके महत्व को पुनः रेखांकित किया।

न्यूज ब्रीफ

रेखा शर्मा के विवादित बयान पर हरियाणा के 16 जिलों में भड़का आक्रोश

हिसार (राजधानी चौपाल) | हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी भजनलाल के संबंध में भाजपा की राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा द्वारा दिए गए कथित विवादित बयान के विरोध में आज पूरे प्रदेश में व्यापक रोष देखने को मिला। भजनलाल एवं कुलदीप बिश्नोई समर्थकों ने संगठित रूप से हरियाणा के 16 जिलों में अपने-अपने नजदीकी थानों में शिकायतें दर्ज कराते हुए रेखा शर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग उठाई। प्राप्त जानकारी के अनुसार भिवानी, फतेहाबाद, गुरुग्राम, झज्जर, जींद, कैथल (कलायत), करनाल, कुरुक्षेत्र, महेंद्रगढ़, नूंह, अंबाला, पंचकूला, पानीपत, सोनीपत, यमुनानगर तथा चरखी दादरी सहित विभिन्न जिलों में समर्थकों ने पुलिस प्रशासन को शिकायत पत्र सौंपे। प्रदर्शनकारियों ने एकजुट होकर कहा कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। साथ ही अन्य जिलों में भी 2 मई को इसी प्रकार एफआईआर दर्ज करवाने की तैयारी की जा रही है। समर्थकों द्वारा दी गई शिकायत में आरोप लगाया गया है कि राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा ने सार्वजनिक मंच से पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी भजनलाल के लिए अत्यंत अपमानजनक शब्दों का प्रयोग करते हुए उन्हें च्बदमाशज् कहा, जो न केवल उनके सम्मान को ठेस पहुंचाता है, बल्कि उनके लंबे राजनीतिक योगदान का भी अपमान है।

सीनियर टी-10 टेनिस बॉल क्रिकेट चैंपियनशिप में हरियाणा की टीम का शानदार प्रदर्शन

हिसार (राजधानी चौपाल) | सीनियर टी-10 टेनिस बॉल क्रिकेट चैंपियनशिप में हरियाणा टीम का शानदार प्रदर्शन जारी है। यह प्रतियोगिता जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम इंदौर में आयोजित की जा रही है, जहां देशभर की टीमें भाग ले रही हैं। हरियाणा ने अपने पहले मुकाबले में महाराष्ट्र को हराकर दूसरे राउंड में प्रवेश कर लिया है। टीम के खिलाड़ी अर्जुन बाना (फतेहाबाद) ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए मैन ऑफ द मैच का खिताब अपने नाम किया। वही सोनीपत के विकेटकीपर सौरव का भी प्रदर्शन बेहतरीन रहा। अब हरियाणा टीम का अगला मुकाबला दिल्ली के साथ होने जा रहा है, जिसे लेकर काफी उत्साह बना हुआ है। यह मैच टीम के लिए काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वहीं, हरियाणा टी-10 टेनिस बॉल क्रिकेट एसोसिएशन के प्रेजिडेंट सुमित, सचिव कंवरपाल उपाध्यक्ष सुनील चौधरी ने भी टीम के प्रदर्शन पर विश्वास जताते हुए उम्मीद व्यक्त की है कि हरियाणा की टीम इस प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए विजयी होकर लौटेगी।

संसार में जातिवाद व नशा फैल गया है ऐसे में भगवान परशुराम का अनुसरण करना बहुत जरूरीः डीपी वत्स

मंडी आदमपुर (राजधानी चौपाल) | शिव कालोनी स्थित ब्राह्मण धर्मशाला में ब्राह्मण सभा द्वारा शनिवार 2 मई को भगवान परशुरम जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। भगवान परशुराम जन्मोत्सव के मौके पर सुबह हवन किया गया। जिसमें विश्व शांति की कामना की गई। बाद में आयोजित जन्मोत्सव महोत्सव में धर्मपाल शर्मा एंड पार्टी द्वारा भजनों की अमृतवर्षा की गई। महोत्सव का शुभारंभ पूर्व राज्यसभा सांसद जनरल डॉ. डीपी वत्स, बादली विधायक कुलदीप वत्स, कपिस्थल संत महामंडल कैथल अध्यक्ष महंत रमनपुरी, फरीदाबाद के पूर्व विधायक नीरज शर्मा, हरियाणा बीज विकास निगम के चेयरमैन देव कुमार शर्मा, सीडीएलयू के रजिस्ट्रार सुनील शर्मा, ब्राह्मण सभा के जिला प्रधान रत्तनलाल शर्मा व आदमपुर थाना प्रभारी डीएसपी प्रिया शर्मा ने दीप प्रज्जवलित कर किया। इस दौरान पूर्व राज्यसभा सांसद जनरल डॉ. डीपी वत्स ने संबोधित करते हुए कहा कि भगवान परशुराम का नाम जितनी बार भी लिया जाये उसका उतना ही महत्व है। आज के संदर्भ में भगवान परशुराम ज्यादा जरूरी है क्यों कि संसार में जातिवाद, करप्शन, झूठ व नशा फैल गया है ऐसे मौके पर भगवान परशुराम का अनुसरण करना बहुत जरूरी है। उन्होंने माताओं-बहनों से आह्वान किया कि वे कन्या भ्रुण हत्या रोकने के लिए शपथ ले और कन्या भ्रुण हत्या ना होने दे वरना ये संसार उजड़ जाएगा। मंहत रमनपुरी ने कहा कि हमें ऐसे धार्मिक आयोजनों में बिना किसी भेदभाव के एकजुट होकर भाग लेना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान मंच संचालन राकेश शर्मा व राजीव शर्मा ने किया। महोत्सव में आये हुए अतिथियों को सभा के अध्यक्ष रामकुमार शर्मा, उपप्रधान हरभगवान भारद्वाज, सुरेश शर्मा, रणवीर शर्मा कालू पंडित, पवन शर्मा, विकास कौशिक व अमन सहित अन्य सदस्यों ने स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

विधायक चंद्रप्रकाश ने शिक्षकों से की मुलाकात, मांगों का किया समर्थन

हिसार (राजधानी चौपाल) | प्रदेश सरकार द्वारा सेवारत शिक्षकों पर टीईटी (अध्यापक पात्रता परीक्षा) उत्तीर्ण करने की अनिवार्यता के खिलाफ अध्यापक वर्ग में गहरा रोष व्याप्त है। इस निर्णय के खिलाफ मंडी आदमपुर के सिविल अस्पताल के सामने स्थित हुडा पार्क में एकजुट होकर धरना दे रहे सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों से विधायक चंद्रप्रकाश ने मुलाकात की। इस दौरान हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ ने विधायक को ज्ञापन सौंपकर पुराने शिक्षकों पर टीईटी की अनिवार्यता को खत्म करवाने की मांग भी रखी। विधायक चंद्रप्रकाश ने शिक्षकों से मुलाकात के दौरान कहा कि टीईटी की अनिवार्यता पुराने शिक्षकों के हितों के साथ खिलवाड़ है। उन्होंने कहा कि हजारों शिक्षक लंबे समय से ईमानदारी और समर्पण भाव से अपना कार्य कर रहे हैं। अब अचानक उन शिक्षकों पर टीईटी पास करने का दबाव बनाना न्यायसंगत नहीं है।

आदमपुर रेलवे स्टेशन पर पुलिस चौकी के पास युवक ही हत्या

परिजनों ने 42 वर्षीय प्रदीप का शव उठाने से किया इनकार, डीएसपी के आश्वासन पर माने

मंडी आदमपुर (राजधानी चौपाल) | आदमपुर रेलवे स्टेशन पर पुलिस चौकी से करीब 40 मीटर की दूर बुधवार देर रात अज्ञात लोगों ने युवक के सिर में चोट मारकर हत्या कर दी। मृतक युवक की पहचान इंद्रा कॉलोनी निवासी करीब 42 वर्षीय प्रदीप के रूप में हुई। वह पेंटर का काम करता था। सूचना मिलने पर मृतक के परिजन व लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस की कार्यशैली के प्रति रोष प्रकट किया। लोगों ने कहा कि पुलिस चौकी के सामने ही व्यक्ति ही हत्या हो जाती है और चौकी में मौजूद कर्मचारियों को इसकी भनक तक नहीं लगी।

गुस्साए परिजनों व लोगों ने यह कहकर शव उठाने से मना कर दिया कि जब तक हत्या के आरोपी पकड़े नहीं जाते या फिर कोई उच्चाधिकारी मौके आकर उन्हें उचित आश्वासन नहीं देगा तब तक वे शव नहीं उठाने देंगे। मामले की गंभीरता को देखते हुए अग्रोहा से डीएसपी कश्मीरी लाल मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी जुटाई। उन्होंने आश्वासन दिया कि किसी भी आरोपी को बक्शा नहीं जायेगा व आरोपी जल्दी ही पुलिस गिरफ्त में होंगे। डीएसपी के आश्वासन पर परिजन शव उठाने के लिए तैयार हुए। जीआरपी हिसार थाना प्रभारी निरीक्षक श्याम सिंह, चौकी इंचार्ज बलवंत सिंह, मुंशी सुभाष मौके पर पहुंचे। बाद में डीएसपी कश्मीरी लाल, रेलवे डीएसपी कृष्ण कुमार, आदमपुर थाना प्रभारी डीएसपी प्रिया शर्मा, विकास कुमार व अन्य कर्मचारी आए। घटना की जानकारी जुटाई। पुलिस ने मृतक प्रदीप पेंटर के छोटे भाई अशोक के बयान के आधार पर अज्ञात के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है। अग्रोहा मेडिकल कॉलेज में पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया।

सीन ऑफ क्राइम की टीम ने जुटाएं आवश्यक तथ्य, डीएसपी ने खंगाले कैमरे आदमपुर रेलवे स्टेशन पर प्रदीप की हत्या के बाद सीन ऑफ क्राइम से डॉ. पूनम कतियाल, फिंगर प्रिंट विशेषज्ञ ओमप्रकाश शर्मा, आदमपुर थाना प्रभारी डीएसपी प्रिया शर्मा, विकास कुमार, जीआरपी हिसार प्रभारी श्याम सिंह सहित अन्य पुलिस कर्मचारी मौके पर पहुंचे और आवश्यक तथ्य जुटाएं। बाद में रेलवे डीएसपी कृष्ण कुमार आदमपुर पहुंचे और घटना की गहन जांच करते हुए चौकी के मुंशी सुभाष व अन्य कर्मचारियों को साथ लेकर 2 दर्जन से ज्यादा कैमरों की फुटेज खंगाली। पुलिस का तर्क है कि उन्हें कुछ अहम सुराग हाथ लगे हैं और मामले में संलिप्त आरोपी जल्दी ही पुलिस गिरफ्त में होंगे।

पंचकूला प्लॉट आवंटन घोटाला : 10 साल जांच के बाद सीबीआई ने पेश की चार्जशीट, पूर्व आईएएस के खिलाफ 20 दिन पहले अभियोग चलाने की मंजूरी मिली तो आगे बढ़ी कार्रवाई

30 करोड़ के प्लॉट 7 करोड़ में बांटे, चार्जशीट में भूपेंद्र हुड्डा को मुख्य साजिशकर्ता बताया

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) | हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा की

मुश्किलें बढ़ सकती हैं। पंचकूला के 14 औद्योगिक प्लॉट आवंटन घोटाले में सीबीआई ने सोमवार को चार्जशीट दाखिल कर दी है। इसमें पूर्व सीएम हुड्डा और पूर्व आईएएस अधिकारी समेत 7 लोगों को नामजद किया गया है।

सीबीआई ने हुड्डा को ही घोटाले का मुख्य साजिशकर्ता बताया है। मामला वर्ष 2013 का है। उस समय हुड्डा मुख्यमंत्री होने के साथ-साथ हुडा विभाग के अध्यक्ष भी थे। आरोप है कि उन्होंने नियमों को ताक पर रखकर 30 करोड़ रुपए के प्लॉट अपने चहेतों को 7.85 करोड़ रुपए बांट दिए। इस मामले में सीबीआई ने 2016 में धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार का केस दर्ज किया था। अब करीब 20 दिन पहले हरियाणा सरकार ने सेवानिवृत्त नवृत आईएएस डीएस नागल पर कानूनी कार्रवाई की मंजूरी दी। इसके बाद सीबीआई ने हजारों पन्नों की चार्जशीट पेश की है। इस मामले में ईडी चार्जशीट दाखिल कर चुकी है, जिस पर फिलहाल रोक है। अब अदालत दस्तावेजों की जांच के बाद आरोपियों को समन जारी करेगी। अगली सुनवाई 4 जून को होगी।

बिना फोटो-हस्ताक्षर बांटे प्लॉट, आवेदकों की जगह अकाउंटेंट इंटरव्यू देकर आए : साक्षात्कार में मेहरबानीः तत्कालीन मुख्य प्रशासक डीपीएस नागल ने चहेतों को इंटरव्यू में ज्यादा अंक दिए। हैरानी की बात यह है कि समिति सदस्यों के हस्ताक्षर इंटरव्यू के 6 महीने बाद लिए गए। ▪ **अजीबोगरीब आवंटनः** एक आवेदक के फॉर्म पर फोटो और हस्ताक्षर तक नहीं थे। वहीं, नंदिता हुड्डा के बदले उनके अकाउंटेंट इंटरव्यू देने पहुंचे और उन्हें 25 में से 22 अंक दे दिए गए। ▪ **बिना सबूत अंकः** एक आवेदक ने आटा चक्की लगाने का दावा किया, जिसका कोई सबूत नहीं था, फिर भी पूरे अंक दिए। इंजीनियर श्रेणी में आवेदन करने वालों ने डिग्री की कॉपी तक नहीं लगाई थी। ▪ **सीधा संबंधः** प्लॉट पाने वाले अधिकांश लोग तत्कालीन मुख्यमंत्री के पैतृक गांव या उनके राजनीतिक घेरे से जुड़े थे।

हाई कोर्ट के आदेश पर बने मानदंड हटाए, चहेतों के लिए अनुभव की शर्त खत्म की

▪ **योग्यता दरकिनारः** सीबीआई चार्जशीट के अनुसार, पंचकूला प्लॉट आवंटन में नियमों को पूरी तरह से मरोड़ा गया। हाईकोर्ट के आदेश पर सचिवों की समिति ने जो चयन मानदंड बनाए थे, तत्कालीन अध्यक्ष भूपेंद्र हुड्डा ने उनमें से अनुभव और योग्यता की शर्तें ही हटवा दीं।

▪ **अंकों का खेलः** चयन को आसान बनाने के लिए वित्तीय क्षमता के अंक 25 से घटाकर 10 कर दिए गए, जबकि मौखिक परीक्षा (इंटरव्यू) के अंक 15 से बढ़ाकर 25 कर दिए गए।

▪ **आवेदन के बाद बदले नियमः** आवेदन जमा करने की आखिरी तारीख 6 जनवरी 2012 थी, लेकिन नियमों को इसके बाद 24 जनवरी को मंजूरी दी गई।

करोड़ों का नुकसानः इसी फेरबदल के कारण 30.34 करोड़ के प्लॉट चहेतों को सिर्फ 7.85 करोड़ में दे दिए गए।

2016 में सीबीआई ने हाथ में लिया केस

- दिसंबर 2015 में हरियाणा स्टेट विजिलेंस ब्यूरो ने भ्रष्टाचार का केस दर्ज किया।
- मई 2016 में दिल्ली सीबीआई ने मामले की जांच अपने हाथ में ली और एफआईआर दर्ज की।
- फरवरी 2021 में ईडी ने हुड्डा और अन्य के खिलाफ
- मनी लॉन्डिंग की चार्जशीट दाखिल की।
- सितंबर 2021 में कोर्ट ने इंडी केस ट्रायल रोका।
- वर्ष 2022 में ट्रायल कोर्ट के खिलाफ ईडी ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की, जो पेंडिंग है

हुड्डा-तनेजा पर ट्रायल की मंजूरी

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा और बीबी तनेजा के खिलाफ अभियोग चलाने की मंजूरी मिल चुकी है। एससी कंसल के संबंध में सक्षम प्राधिकारी से मंजूरी मिलना बाकी है। रिटायर्ड आईएएस डी एस नागल के मामले में धारा 197 सीआरपीसी के तहत तो मंजूरी मिल गई है, लेकिन भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 19 के तहत मंजूरी शेष है। अदालत ने इन लंबित मंजूरियों के लिए अगली सुनवाई तक का समय दिया है।

हमारे खिलाफ सबूत नहीं: हुड्डा

पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने चार्जशीट पर कहा कि अभी तो प्री-समन जारी होगा, उसके वाद देखेंगे। 10 सालों से यह केस चल रहा है और कुछ नहीं निकला है। ईडी ने चार्जशीट पेश की थी। उसके ट्रायल पर रोक लगी हुई है। हमारे खिलाफ कोई सबूत नहीं है।

विधानसभा विशेष सत्र • महिला आरक्षण बिल के समर्थन में सरकारी प्रस्ताव पारित, कांग्रेस ने सत्र का बहिष्कार किया

पहली बार विधानसभा के बाहर कांग्रेस ने लगाया 'सदन', सीएम ने कहा- ये संविधान का अपमान

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) | हरियाणा विधानसभा के एक दिवसीय विशेष सत्र में सोमवार को 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के समर्थन में सरकारी प्रस्ताव पेश किया गया, जिसे ध्वनि मत से पारित हुआ। ग्रुप-डी कर्मचारियों के क्लर्क पद पर प्रमोशन के लिए हरियाणा लिपिकीय सेवा (भर्ती और सेवा की शर्तें) विधेयक 2026 भी पास किया। इनके प्रमोशन का कोटा भी 20% से बढ़ाकर 30% किया है। प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस ने सत्र का बहिष्कार किया। साथ ही पहली बार बाहर पैरलल (समानांतर) सदन चलाया। इस पर सीएम ने कहा कि यह महिलाओं, सदन और संविधान का अपमान है। वहीं, कांग्रेस से सस्पेंड 3 विधायक सदन में पहुंचे, जबकि दो विधायक सदन में नहीं आए। इनेलो ने विपक्ष की भूमिका निभाई। सीएम नायब सिंह सैनी ने घोषणा करते हुए कहा कि दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना का लाभ ले रही महिलाओं के बीपीएल कार्ड नहीं काटे जाएंगे।

महिला विषयक समिति के गठन को भी मंजूरी प्रदान की गई है। समिति में 9 सदस्य होंगे, जिनमें 5 महिलाएं होंगी। चेयरपर्सन महिला ही होंगी। यह राज्य महिला आयोग की ओर से प्रस्तुत प्रतिवेदनों का परीक्षण करेगी और महिलाओं की समानता, प्रतिष्ठा, सम्मान सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा लिए गए फैसलों की गहन समीक्षा करेगी।

सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस से सस्पेंड तीन विधायकों ने सदन में जाकर दर्शा दिया कि वे अब पार्टी के हर फैसले के साथ नहीं सूत्रा के अनुसार, रहेंगे। एक विधायक ने तो नसीहत तक दी कि महिला आरक्षण बिल का विरोध कर किस मुंह से महिलाओं के बीच वोट मांगने जाएंगे। यह संदेश हाईकमान के पास जरूर पहुंचाया जाएगा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं का मानना है कि राज्यसभा चुनाव की सच्चाई भी सामने आ गई है। अब देखना होगा कि कांग्रेस इन विधायकों पर और कड़ी कार्रवाई करती है या वेट एंड वॉच की स्थिति ही अपनाती

कांग्रेस लोकतंत्र की लड़ाई विधानमंडल में नहीं, वाहन मंडल में लड़ रहीः सीएम नायब

सीएम ने कहा, 'ऐसा पहली बार देखा कि कांग्रेस लोकतंत्र की लड़ाई विधानमंडल में नहीं, वाहन मंडल में लड़ रही है। विपक्ष को सदन में रहकर अपनी बात रखनी चाहिए थी और उसके बाद विरोध दर्ज कराना चाहिए था। इस प्रकार वॉकआउट करना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। ऐसे आचरण की निंदा की जानी चाहिए। जनता ने जिन्हें बहस के लिए यहां भेजा था, वो पार्किंग में खड़े होकर परछाइयों से लड़ रहे हैं। यह विधानसभा का, हरियाणा की हर महिला का, लोकतंत्र का और संविधान का अपमान है। न कायदा, न कार्रवाई, न अध्यक्ष का सम्मान, गाड़ियों में चल रहा है कांग्रेस का संविधान। हरियाणा की जनता इस कुकृत्य के लिए कांग्रेस को माफ नहीं करेगी। लोकसभा में जो रवैया देखने को मिला, वही विधानसभा में भी दोहराया गया। कांग्रेस विधायक सरदार जरनैल सिंह ने स्वीकार किया कि उनकी पार्टी की सोच में बदलाव की आवश्यकता है। विपक्ष सदन के बाहर महिलाओं के अधिकारों की बात करता है, लेकिन अंदर चर्चा से बचते हैं, जो दोहरे रवैये को दर्शाता है। कांग्रेस व उसके सहयोगी दल महिलाओं के अधिकारों के प्रति गंभीर नहीं है। यह रवैया सिर्फ राजनीतिक नहीं, बल्कि महिलाओं के अधिकारों के प्रति उदासीनता को दर्शाता है।'

ये सत्र असंवैधानिक; महिला आरक्षण केंद्र का विषय, राज्य सरकार का नहीं: हुड्डा

नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में कांग्रेस ने सत्र का बहिष्कार करते हुए विधानसभा के बाहर समानांतर सदन चलाया। हुड्डा ने कहा, 'महिला आरक्षण केंद्र के अधिकार क्षेत्र का विषय है, राज्य सरकार का नहीं। कांग्रेस संवैधानिक मूल्यों की रक्षा करेगी और भाजपा के मंसूबे कामयाब नहीं होने देगी। असंवैधानिक उद्देश्य से विशेष सत्र बुलाया। हमारे विधायक सत्र का टीए-डीए नहीं लेंगे। संशोधन 2023 हो या 2026, किसी में महिलाओं को राज्यसभा में आरक्षण देने का जिक्र नहीं है। सितंबर 2023 में संसद से पास कानून 3 साल बाद भी लागू नहीं किया। विपक्ष इसे लागू करने की लगातार मांग कर रहा है।'

सस्पेंड 3 विधायक सदन पहुंचेः राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग के आरोप में सस्पेंड 5 में से 3 कांग्रेस विधायक सदन में पहुंचे। इनमें जरनैल सिंह, शैली चौधरी, रेणू बाला हैं। मोहम्मद इजराइल ने न आने का संदेश स्पीकर को भेजा था। जरनैल ने कहा, 'बिल का कांग्रेस को समर्थन करना चाहिए। पार्टी को सोच बदलनी चाहिए। बाहर बैठने के बजाय सदन में चर्चा करनी चाहिए थी।' इस पर हुड्डा ने कहा कि थी-लाइन व्हिप जारी नहीं किया था। जरनैल पद से इस्तीफा दें और चुनाव लड़ें।

न्यूज ब्रीफ

मानेसर की मेयर इंद्रजीत कौर ने भाजपा ज्वॉइन की

गुरुग्राम /फरीदाबाद (राजधानी चौपाल)| मानेसर की निर्दलीय चुनी गईं मेयर डॉ. इंद्रजीत कौर ने बुधवार को रेवाड़ी में भाजपा का दामन थाम लिया। इस दौरान मानेसर के 8 निर्दलीय पार्षदों ने भी भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली मौजूद रहे। भाजपा में शामिल हुए पार्षदों में वार्ड-1 के पार्षद जगमिंदर यादव, वार्ड-8 से भूपेंद्र कुमार, वार्ड-10 से राम प्रकाश, वार्ड-13 से रविन्द्र फौजी, वार्ड-15 से पिंकी, वार्ड 18 से प्रवेश यादव, वार्ड-19 से रवि यादव व वार्ड 20 के पार्षद प्रताप सिंह शामिल रहे। मेयर डॉ. इंद्रजीत कौर पहले से ही केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत की समर्थक रही हैं। इधर, बल्लभगढ़ के एक ही परिवार के तीन निर्दलीय पार्षद भी भाजपा में शामिल हुए। इनमें वार्ड-42 से दीपक यादव, वार्ड-43 से उनकी पत्नी रश्मि यादव और वार्ड-40 से दीपक के चचेरे भाई पवन यादव हैं।

केएमपी किनारे पंच महाग्राम नहीं बनने देंगे, चाहे पीएम तक जाना पड़ेः इंद्रजीत

रेवाड़ी (राजधानी चौपाल)| केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि वे केएमपी (कुंडली मानेसर-पलवल) एक्सप्रेस-वे के किनारे प्रस्तावित पंच महाग्राम योजना का विरोध करते हैं और इसे यहां नहीं बनने देंगे। अगर इसे रोकने के लिए मुझे पीएम तक भी जाना पड़ा तो वे पीछे नहीं हटेंगे। राव इंद्रजीत बुधवार को भाजपा के चुनावी कार्यालय का उद्घाटन करने रेवाड़ी पहुंचे थे। इस दौरान वे अपनी ही सरकार के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट पंच महाग्राम योजना की खिलाफत करते नजर आए। सरकार की योजना केएमपी के किनारे 5 नए शहर बसाने की है। केंद्रीय मंत्री ने मंच से ही इसका विरोध किया। नगर परिषद टिकट वितरण के दौरान विधायक को लेकर कही गई कथित थूक कर चाटने वाली बात पर सफाई दी।

अब कक्षा 9वीं व 11वीं फेल विद्यार्थी पुनः परीक्षा दे सकेंगे

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल)| राज्य में कक्षा 9वीं और 11वीं फेल होने वाले विद्यार्थियों को अब परीक्षा के लिए एक और मौका दिया जाएगा। शैक्षणिक सत्र 2025-26 में फेल विद्यार्थियों को यह मौका दिया जा रहा है। पुनः परीक्षा 45 दिनों के अंतराल के बाद आयोजित की जाएगी। ताकि विद्यार्थियों को तैयारी का समय मिल सके। परीक्षा विद्यालय स्तर पर विषय अध्यापक द्वारा आयोजित की जाएगी। विद्यार्थी दूसरे बार परीक्षा में पास होता है तो उसे अगली कक्षा में प्रोन्नत किया जाएगा। इससे उसका एक शैक्षणिक वर्ष भी बचेगा। विद्यालयों द्वारा विद्यार्थियों के लिए विशेष कक्षा एवं शैक्षणिक सहयोग भी किया जाएगा। इसे लेकर विभाग की ओर से आदेश जारी किए गए हैं। इसका मकसद ड्रापआउट को रोकना है।

नारायणगढ़ आईएमटी के लिए किसान सरकारी रेट पर जमीन देने के लिए तैयार

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल)| हरियाणा सरकार ने नारायणगढ़ में इंडस्ट्रियल मॉडल टाउनशिप (आईएमटी) स्थापित करने का निर्णय लिया है। इसे लेकर बुधवार को सीएम नायब सिंह सैनी से नारायणगढ़ क्षेत्र के किसानों के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की और बैठक में हिस्सा लिया। आईएमटी के लिए किसानों से भूमि की दरों के संबंध में चर्चा की गई और किसानों ने सरकार द्वारा तय की गई दरों पर सहमति जताई। इससे आईएमटी के लिए नारायणगढ़ में लगभग 450 एकड़ भूमि उपलब्ध होगी। सीएम ने कहा कि यह कदम क्षेत्र के आर्थिक विकास, रोजगार सृजन में मील का पत्थर साबित होगा। सीएम ने कहा कि अम्बाला में पहले से आईएमटी विकसित करने का कार्य तेज गति से चल रहा है। अब नारायणगढ़ में भी आईएमटी विकसित होने से इस क्षेत्र में औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। गुरुग्राम की तर्ज पर अम्बाला क्षेत्र को भी आधुनिक और विकसित औद्योगिक केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि आईएमटी से उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा और साथ ही युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। सीएम ने कहा कि उन्होंने बतौर वित्त मंत्री बजट में घोषणा की थी कि प्रदेश में 10 इंडस्ट्रियल मॉडल टाउनशिप (आईएमटी) स्थापित किए जाएंगे, इनमें से मानेसर, बावल, रोहतक, फरीदाबाद, सोहना और खरखौदा में पहले ही आईएमटी विकसित किए जा रहे हैं।

बाढ़ से निपटने के लिए 14 मई को 13 जिलों में मॉक ड्रिल होगी

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल)| प्रदेश सरकार ने आगामी मानसून के मद्देनजर बाढ़, हीटवेव और सूखे जैसी आपदाओं से निपटने के लिए व्यापक रणनीति तैयार की है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने बताया कि 14 मई 2026 को राज्य के 13 बाढ़ संभावित जिलों गुरुग्राम, अम्बाला, पानीपत में राज्य स्तरीय मॉक ड्रिल आयोजित की जाएगी। यह अभ्यास चार चरणों में होगा, इसमें 6 मई को ओरिएंटेशन और 12 मई को 'टेबल टॉप एक्सरसाइज' शामिल है। इसका मुख्य उद्देश्य एनडीएमए के समन्वय से आपदा प्रबंधन योजनाओं और संचार प्रणालियों का परीक्षण करना है।

महिलाओं के लिए पिंक टॉयलेट बनाने, हाउस टैक्स में 20% की छूट का वादा

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल)| शहरी सरकार के होने वाले चुनाव में भाजपा ने जनता के सामने सोनीपत, अम्बाला, पंचकूला नगर निगम और रेवाड़ी नगर परिषद के लिए अपना संकल्प पत्र जारी किया है। संकल्प पत्र में 20 वादे किए हैं। शहरों को हरित बनाने का वादा बाद में अपने भाषण में सीएम नायब सिंह सैनी ने जोड़ा। संकल्प सभी शहरवासियों से समान रूप से लिए हैं। नगर निकायों के हिसाब से अलग से भी वादे किए हैं। 3 निगम और एक परिषद में भाजपा ने कुल 3,388 करोड़ रुपए के वादे किए हैं। सीएम नायब सिंह सैनी और प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने बुधवार को भाजपा के पंचकूला स्थित प्रदेश कार्यालय चुनाव के लिए पार्टी का संकल्प पत्र जारी किया। संकल्प पत्र में महिलाओं के लिए शहरों में पिंक टायलेट बनाने का वादा किया है। इसमें सैनेटरी नैपकिन वेडिंग मशीन लगाए जाने के साथ शिशु आहार कक्ष बनाने की बात कही गई है। साथ ही 20 वर्ष से रहने वाले लोगों को वैध स्वामित्व दिया जाएगा। जिनके मकान महिलाओं के नाम रजिस्टर्ड है, उन्हें हाउस टैक्स में 20% की छूट देने का भी वादा किया गया है।

हरियाणा में नए पटवारियों को 8 विभागों का विकल्प

गुरुग्राम निगम-HSVP भी शामिल, पहले खाली पद भरेंगे; 1500 को रेवन्यू डिपार्टमेंट ही मिलेगा

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) | हरियाणा में 2500 के करीब नए पटवारियों को 8 विभागों का विकल्प मिला है। भू-अभिलेख निदेशालय ने सभी पटवारियों से तैनाती के लिए उनके पसंद के 5-5 जिलों के नाम मांगे हैं। पटवारियों से राजस्व विभाग समेत कुल 8 विभागों में तैनाती के लिए विकल्प दिए हैं।

पटवारियों से राजस्व विभाग, कंसोलेटेडेशन ऑफ होल्डिंग्स डिपार्टमेंट, टाउन एंड कंट्री प्लानिंग, वन विभाग, नगर निगम गुरुग्राम, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, शहरी स्थानीय निकाय विभाग व लोक निर्माण विभाग में तैनाती का विकल्प पूछा गया है। सूत्रों का अनुसार इन नए पटवारियों की अगले हफ्ते नियुक्ति के ऑर्डर कर दिए जाएंगे।

भू अभिलेख निदेशक डॉ. यशपाल ने बताया कि सबसे पहले खाली पदों को भरा जाएगा। इसके अलावा 1500 पटवारियों के लिए राजस्व विभाग में नियुक्ति दी जाएगी। बताया कि इन पटवारियों की सर्वाधिक स्वामित्व वाले क्षेत्र, लाल डोरा से संबंधित कार्यों के लिए तैनाती की जाएगी। करीब ढाई महीने में नए पटवार सर्कल भी बन जाएंगे।

हरियाणा में अभी पटवारियों को लेकर हालात बेहद खराब हैं। जिलेबार आंकड़ों को देखें तो, रोहतक, झज्जर, सोनीपत इन जिलों में सबसे ज्यादा पटवारियों की कमी है। इस कारण से राजस्व-बहुल और शहरीकरण वाले इन क्षेत्रों में इंतकाल और पैमाइश के हजारों मामले लंबित हैं। वहीं, हिसार, भिवानी, सिरसा इन कृषि प्रधान क्षेत्रों में 70-75% पद खाली पड़े हैं। गिरदावरी और फसल खराबे के आकलन के समय किसानों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। पंचकूला और रेवाड़ी प्रशासन आउटसोर्सिंग और अनुबंध के आधार पर काम चलाने की कोशिश कर रहा है।

हरियाणा के प्राइवेट स्कूलों में 21,750 बच्चों का प्रवेश : आरटीई के तहत एडमिशन, 31 हजार आवेदन प्राप्त

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) | हरियाणा में आरटीई अधिनियम के तहत प्रवेश के लिए आवेदन प्राप्त करने वाले 21,750 से अधिक बच्चों को हरियाणा के मान्यता प्राप्त प्राइवेट स्कूलों में प्रवेश आवंटित किया गया है। प्राथमिक शिक्षा निदेशालय ने प्राइवेट स्कूल संचालकों को निर्देश दिया है कि वे पात्र आवेदकों को 10 दिनों के भीतर प्रवेश दें।

जानकारी के अनुसार, स्कूलों द्वारा 60,400 से अधिक सीटें उपलब्ध कराई गई थी, जिनके लिए 31 हजार से ज्यादा आवेदन प्राप्त हुए थे। सत्यापन के बाद, हरियाणा के निजी मान्यता प्राप्त स्कूलों में 21 हजार 752 बच्चों को प्रवेश आवंटित किए गए हैं। इनमें से कुल 10 हजार 880 सीटें नर्सरी में, 1,280 से अधिक सीटें एलकेजी में, 1,900 से अधिक सीटें यूकेजी में और 7,680 सीटें कक्षा 1 में आवंटित की गई हैं। निदेशालय ने स्कूलों को आरटीई के माध्यम से आवंटित छात्रों के प्रवेश को गंभीरता से लेने का निर्देश दिया है। स्कूलों को प्रवेश प्रक्रिया में देरी नहीं करनी चाहिए और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग और वंचित वर्ग श्रेणी के पात्र छात्रों का प्रवेश पूरा करना चाहिए। यह सुनिश्चित करते हुए कि आरटीई के तहत आवंटित किसी भी पात्र बच्चे को वैध कारणों के बिना प्रवेश से वंचित न किया जाए। एडमिशन की पूरी प्रक्रिया 9 मई तक पूरी की जानी है।

आवेदक हरियाणा का स्थायी निवासी हो : विद्यालय स्तरीय समितियों को निर्देश दिया गया है कि वे डाक्यूमेंट वेरिफिकेशन पहले से तय आधारों पर करें, जिनमें यह शर्त भी शामिल है कि आवेदक हरियाणा का निवासी हो और उसके पास वैध निवास प्रमाण पत्र हो। इसके अलावा 0-1 किमी या 1-3 किमी के दायरे में आना चाहिए, जैसा कि पड़ोस के मानदंडों के तहत आवंटन में निर्धारित है। निदेशालय के अनुसार, प्रवेश अस्थायी होगा और डाक्यूमेंट वेरिफिकेशन के बाद ही इसकी पुष्टि की जाएगी। स्कूलों को निर्देश दिया गया है कि यदि प्रवेश अस्वीकृत होता है, तो विद्यालय को विभाग के पोर्टल पर इसका स्पष्ट कारण बताना होगा।

बगावत करने वाले 11 नेता भाजपा से सस्पेंड, पूर्व मंत्री राजकुमार समेत 200 शामिल हुए

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) | भाजपा ने प्रदेशभर में स्थानीय निकाय चुनाव के दौरान पार्टी के साथ बगावत करने वाले 11 कार्यकर्ताओं को पार्टी से निष्कासित कर दिया है। वहीं 200 नेताओं ने कांग्रेस समेत अन्य दालों को छोड़कर भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है। रोहतक के भाजपा जिला अध्यक्ष रणबीर ढाका ने सांपला नगरपालिका चुनाव में बगावत कर चेयरमैन का चुनाव लड़ने वाले अनिल कुमार, सुधीर ओहल्याण और मंजीत सैनी को पार्टी से 6 वर्ष से निकाल दिया है। तीनों प्रत्याशी निर्दलीय चुनाव मैदान में हैं और इससे भाजपा प्रत्याशी की मुश्किलें बढ़ गई हैं। पार्टी नेताओं ने तीनों को मनाने के प्रयास किए, लेकिन वे चुनाव लड़ने पर अडिग हैं। सोनीपत में भी भाजपा ने पार्टी विरोधी गतिविधियों को लेकर आठ कार्यकर्ताओं को छह साल के लिए निष्कासित कर दिया है। सोनीपत के जिला अध्यक्ष अशोक भारद्वाज ने स्पष्ट कहा कि अनुशासन और संगठनात्मक एकता से कोई समझौता नहीं होगा। पवन तनेजा, किरण बाला, तजेंद्र पाल तनेजा, ब्रह्मजीत सिंह, पुनीत राई, मुकेश बत्रा, जोगेंद्र प्रजापत और दीपक चावला को सभी पदों से मुक्त कर दिया गया है। ये सभी पार्टी निर्देशों की अनदेखी कर विभिन्न वार्डों से निर्दलीय चुनाव मैदान में उतर गए थे, जिसे गंभीर अनुशासनहीनता माना गया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री राजकुमार वाल्मिकी, तिगांव विस से 3 बार चुनाव लड़ चुके गिरीराज शर्मा, हिसार से कांग्रेस नेता जयसिंह बिश्नोई, भिवानी से जगदीश मंडोलीवाल, रोहतक से संजय परमार, गुरुग्राम से बसपा नेता श्याम लाल और पंचकूला हरियाणा बैरागी सभा के अध्यक्ष शिव पंवार ने भाजपा की सदयता ली है।

हरियाणा में शहरी विकास के 51 सालों की चर्चा : पीएम-सीएम आवास योजना पर मंथन, टाउन प्लानर्स की भूमिका होगी तय

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) | इंस्टीट्यूट ऑफ टाउन प्लानर्स इंडिया (ITPI) के हरियाणा चैप्टर की ओर से शनिवार को पंचकूला में महत्वपूर्ण राउंड टेबल चर्चा आयोजित की जा रही है। यह आयोजन हरियाणा विकास एवं शहरी क्षेत्र विनियमन अधिनियम, 1975 के 51 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर किया जा रहा है। कार्यक्रम में हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे।

इस चर्चा का मुख्य उद्देश्य अधिनियम के अब तक के प्रभाव का व्यापक मूल्यांकन करना और बदलते समय में सामने आ रही आधुनिक शहरी चुनौतियों पर मंथन करना है। साथ ही सतत (सस्टेनेबल) विकास के मॉडल पर भी विशेषज्ञों के विचार सामने आएंगे, ताकि भविष्य की नीतियों को अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

कार्यक्रम को तीन अलग-अलग सत्रों में विभाजित किया गया है, लीडर्स राउंड टेबल, प्लानर्स राउंड टेबल और रियल एस्टेट राउंड टेबल। इन सत्रों में शहरी नियोजन से जुड़े विभिन्न आयामों पर विस्तार से चर्चा होगी। आयोजन में विभाग के सेवारत और रिटायर हो चुके सीनियर अधिकारी, टाउन प्लानिंग विशेषज्ञ, आर्किटेक्ट्स और रियल एस्टेट सेक्टर से जुड़े पेशेवर भाग लेंगे।

सभी प्रतिभागी प्रशासनिक, तकनीकी और औद्योगिक दृष्टिकोण से अपने अनुभव और सुझाव साझा करेंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि तेजी से बढ़ते शहरीकरण, बुनियादी ढांचे के दबाव, पर्यावरणीय चुनौतियों और आवास की बढ़ती मांग के बीच टाउन प्लानिंग की भूमिका पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। ऐसे में इस तरह की चर्चा से नीति निर्माण और क्रियान्वयन में नई दिशा मिलने की उम्मीद है।

कार्यक्रम में सरकार की प्रमुख आवास योजनाओं मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना और प्रधानमंत्री आवास योजना के प्रभावी क्रियान्वयन में टाउन प्लानर्स की भूमिका पर भी विशेष फोकस रहेगा। 'हर परिवार को आवास' के लक्ष्य को हासिल करने में योजनाबद्ध और वैज्ञानिक शहरी विकास को जरूरी बताया जा रहा है।

आईटीपीआई हरियाणा चैप्टर के पदाधिकारियों के अनुसार, संस्था प्रदेश में नियोजित, वैज्ञानिक और सौंदर्यपरक विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। यह राउंड टेबल चर्चा न केवल पिछले 51 वर्षों की उपलब्धियों और कमियों का आकलन करेगी, बल्कि आने वाले समय के लिए एक मजबूत रोडमैप तैयार करने में भी सहायक साबित होगी।

संपादकीय...

आदमपुर के आंगन में लोकतंत्र की तपती परीक्षा और उत्साह का उफान

राम-राम भाइयों! मौसम के मिजाज को देखकर तो यही लग रहा है कि सूरज देवता इस बार आदमपुर की धरती पर कुछ ज्यादा ही मेहरबान हो गए हैं, पारा आसमान छूने को बेताब है और लू के थपेड़े चेहरे को झुलसा रहे हैं, लेकिन धन्य है यह माटी और यहाँ के लोग, जहाँ गर्मी की तपिश पर लोकतंत्र का जोश भारी पड़ता दिखाई दे रहा है। राजधानी चौपाल की इस खास बैठक में आज जिक्र उस जज्बे का है, जो आदमपुर के गांवों की गलियों में पंचायत चुनाव की सरगर्मियों के रूप में बह रहा है, जहाँ चुनावी तपिश ने कुदरती गर्मी को भी पीछे छोड़ दिया है। गाँवों की चौपालों पर अब हुक्के की गुड़गुड़ाहट के साथ केवल हार-जीत के समीकरण नहीं सुलझाए जा रहे, बल्कि गांव के विकास का एक नया खाका खींचा जा रहा है, जिसमें युवाओं की ऊर्जा और बुजुर्गों का अनुभव एक साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रहा है। तपती दोपहर में जब परिंदे भी पेड़ों की छांव तलाशते हैं, तब आदमपुर के उम्मीदवार पसीने से तर-बतर होकर घर-घर दस्तक दे रहे हैं, यह दृश्य केवल वोट मांगने का नहीं है बल्कि जम्हूरियत की उन जड़ों को सींचने का है जो हमारे ग्रामीण परिवेश को मजबूती देती हैं। इस बार के पंचायत चुनाव में एक सुखद बदलाव यह है कि चर्चा केवल जाति की नहीं, बल्कि शिक्षा, साफ पानी और डिजिटल लाइब्रेरी जैसे मुद्दों पर हो रही है, जो इस बात का प्रमाण है कि आदमपुर का मतदाता अब जागरूक हो चुका है और अपने अधिकारों को बखूबी समझता है। प्रशासन ने भी भीषण गर्मी को देखते हुए पोलिंग बूथों पर ठंडे पानी, मेडिकल किट और छाया की विशेष व्यवस्था की है, ताकि मतदान सुचारू रहे और बुजुर्गों को कोई कष्ट न हो। चुनाव में हार-जीत तो चलती रहेगी, लेकिन असली जीत उस भाईचारे की होनी चाहिए जो आदमपुर की पहचान है, क्योंकि राजनीति आती-जाती है पर पड़ोसी हमेशा साथ खड़ा रहता है। युवाओं की भागीदारी ने इस बार एक नई चमक पैदा कर दी है, वे सोशल मीडिया के जरिए विकास के नए मॉडल की बात कर रहे हैं और हर घर को मतदान के लिए प्रेरित कर रहे हैं। यह तपती धूप दरअसल एक कसौटी है, जो हमारे नागरिक कर्तव्यों को परख रही है कि हम एसी कमरों से बाहर निकलकर व्यवस्था बदलने का दम रखते हैं या नहीं। तो भाइयों, गर्मी से घबराना नहीं है, बल्कि पूरी सावधानी के साथ इस चुनावी पर्व में हिस्सा लेना है, क्योंकि आपका एक सही फैसला आपके गांव की तकदीर बदल सकता है। सकारात्मक रहें, भाईचारा बनाए रखें और अपने गांव की सुनहरी तरक्की के लिए मतदान करें। राम-राम!

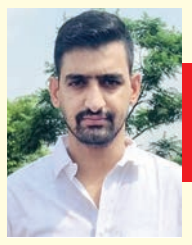

राहुल हिंदुस्तानी
संपादक
राजधानी चौपाल

कूड़े के पहाड़ों पर 'स्मार्ट सिटी' का सपना...

हरियाणा की गलियों में इन दिनों झाड़ू की आवाज तेज हो गई है। दफ्तरों में फाइलों की धूल झाड़ी जा रही है और सफेदपोश अफसर सड़कों पर उतरकर कचरे के साथ 'सेल्फी' ले रहे हैं। कारण साफ है—'स्वच्छता सर्वेक्षण 2026' का बिगुल बज चुका है। लेकिन क्या यह सक्रियता केवल नंबर बटोरने के लिए है? राजधानी चौपाल की इस विशेष रिपोर्ट में हम विश्लेषण करेंगे कि कैसे हरियाणा के शहर, विशेषकर हिसार, करोड़ों रुपये फूंकने के बाद भी 'जीरो' के कलंक से जूझ रहे हैं।

सर्वेक्षण का 'सीजनल बुखार' और प्रशासनिक दिखावा

हरियाणा में सरकारी तंत्र का एक पुराना ढर्रा रहा है—जब तक सिर पर परीक्षा न हो, पढ़ाई शुरू नहीं होती। स्वच्छता के मामले में भी यही हो रहा है। साल के 11 महीने कूड़े के ढेर पर कुंडली मारकर बैठा प्रशासन अचानक 12वें महीने में जागता है। जैसे ही दिल्ली से सर्वेक्षण टीम के आने की आहट होती है, पूरे प्रदेश के नगर निगमों में 'सफाई का आपातकाल' लागू हो जाता है। यह एक 'सीजनल बुखार' की तरह है, जो टीम के जाते ही उतर जाता है।

हिसार का संकट: 210 टन कचरे का 'भस्मासुर'

हिसार शहर की बात करें तो यहाँ की स्थिति बेहद गंभीर है। नगर निगम के आंकड़ों के मुताबिक, शहर से हर रोज 210 टन कचरा निकलता है। यह कोई मामूली आंकड़ा नहीं है, यह कचरे का एक पहाड़ है जो हर 24 घंटे में खड़ा हो जाता है। लेकिन त्रासदी यह है कि इस 210 टन में से केवल 22 टन कचरे को ही अलग (सेग्रीगेट) किया जा रहा है। बाकी का 188 टन कचरा मिक्स होकर डंपिंग ग्राउंड में जा रहा है, जो न केवल पर्यावरण के लिए खतरा है बल्कि स्वच्छता रैंकिंग में हिसार की लुटिया डुबोने के लिए काफी है।

पिछली बार के स्वच्छता सर्वेक्षण में हिसार को सेग्रीगेशन के मामले में कुछ अंक ही मिले थे। एक शहर के लिए इससे बड़ी शर्मिंदगी की बात क्या होगी कि वह करोड़ों रुपये खर्च करने के बाद भी कूड़ा अलग नहीं कर पा रहा? इस बार भी स्थिति वैसी ही बनी हुई है। 90 प्रतिशत से अधिक कचरा आज भी मिक्स होकर डंपिंग साइट पर जा रहा है। सवाल यह है कि जब पिछली बार 'जीरो' मिला था, तो पूरे साल निगम के अधिकारी किस 'कुंभकर्णी नींद' में सोए थे?

'ट्विन-बिन' की विफलता: जो समाधान था, वही समस्या बना

शहर को 'गार्बेज फ्री' बनाने के नाम पर बाजारों में महंगे 'ट्विन-बिन' लगाए गए थे। सोचा गया था कि लोग चलते-फिरते इसमें कचरा डालेंगे। लेकिन हुआ इसके उलट। ये बिन समय पर खाली नहीं किए गए और इनके आसपास आवारा पशुओं का जमावड़ा लगने लगा। अंततः जो डस्टबिन शहर की सुंदरता बढ़ाने के लिए थे, वे खुद कचरा घर बन गए। अब निगम अपनी ही नाकामी को छिपाने के लिए इन्हें सड़कों से हटवा रहा है।

डंपिंग पॉइंट्स का काला सच

शहर के बाहरी इलाकों में बने डंपिंग पॉइंट्स अब 'नरक' का द्वार बन चुके हैं। एजेंसियां कचरे को प्रोसेस करने के बजाय केवल वहां डंप कर रही हैं। यह न केवल जमीन को बंजर बना रहा है, बल्कि वहां रहने वाली आबादी के लिए सांस लेना भी दूभर कर रहा है। सर्वेक्षण टीम जब इन 'कूड़े के पहाड़ों' को देखेगी, तो कागजी दावों की पोल खुलना तय है।

करोड़ों के टेंडर और कागजी एजेंसियां

हिसार नगर निगम हर साल डोर-टू-डोर कूड़ा उठान पर लगभग 12 करोड़ रुपये खर्च कर रहा है। दो बड़ी एजेंसियों को इसका जिम्मा सौंपा गया है। टेंडर की शर्तों के अनुसार, गीला और सूखा कूड़ा अलग-अलग उठाना और उसे प्रोसेस करना इन एजेंसियों की जिम्मेदारी है। लेकिन धरातल पर एजेंसियां केवल गाड़ियां घुमाकर अपना बिल पास कराने में लगी हैं। प्रशासन का इन एजेंसियों पर कोई नियंत्रण नहीं है, जिसके कारण जनता का पैसा नाली में बह रहा है।

घर से अलग, यार्ड में मिक्स

एक अजीब विरोधाभास देखने को मिल रहा है। निगम की गाड़ियां मोहल्लों में जाकर लोगों को नसीहत देती हैं कि 'गीला कूड़ा हरे में और सूखा कूड़ा नीले में' डालें। जो लोग ऐसा नहीं करते, निगम का दस्ता उनका चालान काटने पहुंच जाता है। लेकिन जैसे ही यह कचरा डंपिंग यार्ड पहुंचता है, वहां सारा का सारा एक ही ढेर में मिला दिया जाता है। यह जनता के साथ धोखा है। जब अंत में कचरा मिक्स ही करना है, तो जनता पर चालान का बोझ क्यों?

हड़ताल की तलवार: जब टीम आएगी, तब कर्मचारी बैठेंगे घर

स्वच्छता सर्वेक्षण के इस महत्वपूर्ण मोड़ पर सफाई कर्मचारियों की 1 और 2 मई को होने वाली हड़ताल ने प्रशासन की धड़कनें बढ़ा दी हैं। अगर सर्वेक्षण टीम इन्हीं दिनों में आती है, तो शहर की सफाई व्यवस्था चरमरा जाएगी।

कर्मचारियों की अपनी मांगें हैं, लेकिन प्रशासन की कार्यशैली का खामियाजा अब शहर की रैंकिंग को भुगतना पड़ सकता है। यह दिखाता है कि प्रशासन और कर्मचारियों के बीच संवाद की कितनी भारी कमी है।

जनता की बेरुखी या नाराजगी?

स्वच्छता सर्वेक्षण-2026 में जनता की राय बहुत मायने रखती है। फिलहाल हिसार हरियाणा की रैंकिंग में काफी नीचे है। लोग फीडबैक देने में रुचि नहीं ले रहे हैं। इसका एक कारण यह भी है कि जनता ने पिछले कई सालों में बदलाव महसूस नहीं किया है। जब लोगों को अपने घर के बाहर रोज कचरा दिखता है, तो वे ऐप पर जाकर 'झूठी तारीफ' कैसे करें?

लेखक : राहुल हिंदुस्तानी

क्या सुधरेगी रैंकिंग?

- **टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल:** कूड़ा उठाने वाली गाड़ियों की GPS ट्रैकिंग और डंपिंग साइट पर लगे कचरे की डिजिटल निगरानी जरूरी है।
- **सिर्फ चालान नहीं, प्रोत्साहन:** जो वार्ड या मोहल्ला सबसे अच्छा प्रदर्शन करे, उसे पुरस्कृत किया जाए।

हिसार और हरियाणा के अन्य शहरों के पास अभी भी थोड़ा समय है। यदि केवल 'दिखावे' के बजाय 'ईमानदारी' से काम किया जाए, तो 'जीरो' को 'हीरो' में बदला जा सकता है।

याद रखिए: सफाई डस्टबिन बदलने से नहीं, सिस्टम बदलने से आएगी। क्या हमारे शहर इस बार इस चुनौती को स्वीकार करेंगे?

लोकतंत्र की नई दहलीज

जब मतगणना अधिकारी पहुंचे आपके द्वार

लोकतंत्र के महापर्व का सबसे रोमांचक पड़ाव आ चुका है। दिल्ली की सड़कों पर छाई राजनीतिक गहमागहमी अब मतदान केंद्रों से निकलकर सीधे जनता के ड्राइंग रूम तक पहुँच गई है। 'राजधानी चौपाल' के आज के इस विशेष अंक में हम चर्चा करेंगे उस अभूतपूर्व प्रक्रिया की, जिसने चुनावी सरगर्मियों को एक नया मोड़ दे दिया है। मतगणना की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, लेकिन इस बार का नज़ारा बदला-बदला सा है। अब केवल ईवीएम के बटन ही नहीं दब रहे, बल्कि मतगणना अधिकारी खुद घर-घर जाकर जनता की नब्ज़ टटोल रहे हैं। यह केवल आंकड़ों का खेल नहीं है, बल्कि यह सीधे संवाद की वह प्रक्रिया है जहाँ सवाल तीखे हैं और जवाबों में भविष्य की इबारत लिखी जानी है।

मतगणना का नया स्वरूप : केंद्र से द्वार तक का सफर

आमतौर पर मतगणना का नाम सुनते ही हमारे जहन में बड़ी-बड़ी मशीनों, सुरक्षा बलों से घिरे काउंटिंग सेंटर्स और टीवी स्क्रीन्स पर चलते 'ट्रेंड्स' की छवि उभरती है। लेकिन इस बार राजधानी में प्रशासन ने 'डोर-टू-डोर वेरिफिकेशन' और फीडबैक लूप की एक अनूठी पहल की है।

अधिकारी फाइलें लेकर गलियों में उतर चुके हैं। उनका उद्देश्य केवल वोटों को गिनना नहीं, बल्कि उन विसंगतियों को दूर करना भी है जो डाक मतपत्रों या विशेष श्रेणियों के मतदान के दौरान उत्पन्न हुई थीं। यह 'राजधानी चौपाल' की आत्मा है—जहाँ सत्ता और जनता के बीच की दूरी को न्यूनतम करने का प्रयास किया जा रहा है।

'सवालों की बौछार': जब अधिकारी बने जिज्ञासु

जैसे ही सुबह की पहली किरण राजधानी की छतों पर पड़ी, मतगणना अधिकारियों की टोलियां अपनी किट और सवालों की लंबी सूची के साथ रवाना हो गईं। अधिकारियों का यह रुख किसी इंटरव्यू से कम नहीं था। उनके पास सवालों का एक पूरा पुलिंदा है:

- सत्यापन के सवाल: क्या आपने वास्तव में अपनी इच्छा से डाक मतपत्र का प्रयोग किया?
- प्रक्रियात्मक सवाल: क्या मतदान के दौरान आपको किसी प्रकार के दबाव का सामना करना पड़ा?
- तकनीकी सवाल: क्या आपके क्षेत्र में बीएलओ द्वारा दी गई जानकारी पर्याप्त थी?

इन सवालों की बौछार ने मतदाताओं को एक पल के लिए चौंकाया ज़रूर, लेकिन इसने चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता को एक नई ऊंचाई पर पहुँचा दिया है।

जनता की प्रतिक्रिया: आश्चर्य और उत्साह का मिश्रण

चांदनी चौक की तंग गलियों से लेकर लुटियंस दिल्ली के आलीशान बंगलों तक, हर जगह जनता की प्रतिक्रिया अलग-अलग थी। कुछ लोग इसे 'निजता में दखल' मान रहे थे, तो अधिकांश ने इसे 'सच्चा लोकतंत्र' करार दिया। मध्यमवर्गीय परिवारों में अधिकारियों का स्वागत चाय और बिस्कुट के साथ हुआ, लेकिन जैसे ही 'सवालों की बौछार' शुरू हुई, माहौल गंभीर हो गया। एक बुजुर्ग मतदाता ने टिप्पणी की, "आज पहली बार लगा कि हमारे वोट की कीमत केवल डालने तक नहीं, बल्कि गिने जाने तक सुरक्षित की जा रही है।"

पारदर्शिता की कसौटी पर मतगणना अधिकारी

इस पूरी प्रक्रिया में सबसे बड़ी चुनौती उन अधिकारियों के सामने है जिन्हें जनता के तीखे सवालों का सामना भी करना पड़ रहा है। वे केवल सवाल पूछ नहीं रहे, बल्कि लोगों के संशयों का निवारण भी कर रहे हैं। राजधानी चौपाल के इस मंच पर यह स्पष्ट है कि प्रशासन अब केवल 'कलेक्टर' नहीं, बल्कि 'फैसिलिटेटर' की भूमिका में है।

अधिकारियों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया है ताकि वे संवेदनशीलता के साथ डेटा एकत्र कर सकें। मतगणना के इस चरण में शुद्धता ही सबसे बड़ा मंत्र है।

तकनीक और मानवीय संवाद का संगम

जहाँ एक ओर डिजिटल इंडिया के दौर में सब कुछ ऑनलाइन हो रहा है, वहीं घर-घर जाकर मतगणना से जुड़ी प्रक्रियाओं को पूरा करना एक 'ह्यूमन टच' देता है। अधिकारी अपने साथ टैबलेट भी लेकर चल रहे हैं, जहाँ मौके पर ही डेटा सिंक किया जा रहा है।

यह हाइब्रिड मॉडल भविष्य के चुनावों के लिए एक मिसाल बन सकता है। इससे न केवल फर्जीवाड़े की गुंजाइश खत्म होती है, बल्कि चुनाव आयोग के पास एक वास्तविक 'ग्राउंड रिपोर्ट' भी जमा होती है।

राजनीतिक दलों की सतर्क निगाहें

इस 'डोर-टू-डोर' मतगणना और सत्यापन प्रक्रिया पर राजनीतिक दलों की भी पैनी नज़र है। हर दल के प्रतिनिधि इन अधिकारियों के साथ साये की तरह चल रहे हैं। 'राजधानी चौपाल' पर चर्चा के दौरान राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह प्रक्रिया हारने वाले प्रत्याशी के लिए 'ईवीएम दोष' देने के बहानों को कम कर देगी।

जब जनता के सामने ही उनके मतों और पहचान का सत्यापन होगा, तो चुनावी नतीजों की स्वीकार्यता बढ़ जाएगी।

चुनौतियां और सुरक्षा के कड़े इंतजाम

इतने बड़े पैमाने पर घर-घर जाकर काम करना आसान नहीं है। राजधानी की भीड़भाड़, ट्रैफिक और लोगों की व्यस्तता इस कार्य में बाधा डालती है। इसके बावजूद, सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं। दिल्ली पुलिस और अर्धसैनिक बलों की मौजूदगी यह सुनिश्चित करती है कि अधिकारी बिना किसी भय के अपना काम कर सकें। कई जगहों पर अधिकारियों को विरोध का भी सामना करना पड़ता है, जहाँ लोग चुनावी प्रक्रियाओं से असंतुष्ट हैं। यहाँ अधिकारियों का धैर्य और उनकी संवाद शैली ही असली परीक्षा है।

एक सशक्त लोकतंत्र की ओर

मतगणना की शुरुआत हो चुकी है। परिणाम क्या होंगे, यह तो वक्त ही बताएगा, लेकिन जिस तरह से 'सवालों की बौछार' के बीच अधिकारी और जनता आमने-सामने हैं, उसने यह साबित कर दिया है कि दिल्ली का लोकतंत्र अब और भी परिपक्व हो चुका है। यह आर्टिकल इस बात का गवाह है कि चुनाव केवल हार-जीत का आंकड़ा नहीं, बल्कि विश्वास की एक लंबी यात्रा है। जब अधिकारी आपके द्वार पर दस्तक देते हैं, तो वे केवल सवाल नहीं लाते, बल्कि वे जवाबदेही का वह संदेश लाते हैं जिसकी अपेक्षा हर नागरिक अपने तंत्र से करता है।

ट्रंप की नई चेतावनी पर ईरान बोला-झुकेंगे नहीं

टकराव : अमेरिकी राष्ट्रपति बोले- शर्तें न मानने पर नाकेबंदी कड़ी करेंगे

वाशिंगटन/तेहरान (राजधानी चौपाल) | अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को होर्मुज से नाकेबंदी खत्म करने के लिए नई चेतावनी दी। इसके तहत ईरान यदि परमाणु समझौते की शर्तें नहीं मानता है तो अमेरिका उसके बंदरगाहों पर नाकेबंदी जारी रखेगा। साथ ही ऊर्जा प्रवाह बाधित करने के ईरान के प्रयासों को रोकने के लिए सहयोगियों के साथ मिलकर और कड़े उपाय करेगा। वहीं, ईरान ने कहा है कि वह धमकियों के आगे नहीं झुकेगा।

ट्रंप ने एक समाचार एजेंसी को दिए साक्षात्कार में कहा, नाकेबंदी, बमबारी से कहीं ज्यादा असरदार है। वे दम घुटने जैसा महसूस कर रहे हैं। उनके लिए हालात और भी बदतर होने वाले हैं। यह नाकाबंदी ही अमेरिका और ईरान के बीच गतिरोध की मुख्य वजह है। ट्रंप ने ईरान को चेताया कि यदि वह परमाणु समझौते नहीं मानता है तो बंदरगाहों की घेराबंदी जारी रहेगी। इस बीच, सूत्रों ने दावा किया कि अमेरिका ईरान पर बड़े हमलों की तैयारी कर रहा है।

उधर, ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा अली खामेनेई ने टीवी पर प्रसारित एक संदेश में कहा कि ईरान अपने परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम को किसी भी कीमत पर नहीं छोड़ेगा। राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने कहा कि अमेरिका द्वारा नाकेबंदी के सभी प्रयास असफल होना तय है।

ईरान के संघर्ष विराम खत्म करने की ताजा प्रस्ताव से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नाराज

दुबई/वाशिंगटन (राजधानी चौपाल) | अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जारी युद्ध को सुलझाने के ईरान के नई शर्तों से खफा हैं। इससे संघर्ष के समाधान की उम्मीदें कम हो गई हैं। एक अमेरिकी अफसर ने रॉयटर्स को यह जानकारी दी है। ईरान के ताजा प्रस्ताव में कहा गया है कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर चर्चा तब तक के लिए टाल दी जाए, जब तक कि युद्ध (जो इस माह की शुरुआत में घोषित संघर्षविराम के बाद रुका हुआ है) समाप्त नहीं हो जाता और खाड़ी से पोतों की आवाजाही पर विवाद नहीं सुलझ जाता, पर परमाणु समझौते में देरी को लेकर ट्रंप असंतुष्ट हैं। वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चाहते हैं कि परमाणु मुद्दों को शुरू से ही निपटाया जाए। ईरान की यह भी मांग है कि किसी भी बातचीत से पहले अमेरिकी नाकेबंदी हटाई जाए।

अमेरिका ने शर्तों के बारे में साफ-साफ बता दिया है: व्हाइट हाउस की प्रवक्ता ओलिविया वेल्स ने कहा कि अमेरिका ने शर्तों के बारे में साफ-साफ बता दिया है,क्योंकि वह उस युद्ध को खत्म करना चाहता है। सोमवार को सलाहकारों के साथ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बैठक की जानकारी रखने वाले एक अमेरिकी अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि राष्ट्रपति चाहते हैं कि परमाणु मुद्दे को शुरुआत से ही सुलझाया जाए।

राजनयिक प्रयास और गतिरोध: शांति प्रयासों की उम्मीदें तब कम हो गईं जब अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और दामाद जेरेड कुश्नर की मध्यस्थ देश पाकिस्तान की प्रस्तावित यात्रा रद्द कर दी। दूसरी ओर, ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने दो बार इस्लामाबाद का दौरा किया। उन्होंने ओमान और सोमवार को रूस की भी यात्रा की, जहां उन्होंने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की और अपने पुराने सहयोगी से समर्थन का आश्वासन प्राप्त किया।

एससीओ से साझा करेंगे अमेरिका की हार: ईरान के उप रक्षा मंत्री रेजा तलाई-निक ने कहा कि तेहरान अमेरिका की हार से मिली रक्षा हथियारों की क्षमताओं और अनुभवों को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों सहित अन्य स्वतंत्र राष्ट्रों के साथ साझा करने के लिए तैयार है। इस गुट में ईरान, रूस, चीन, भारत, पाकिस्तान और मध्य एशियाई देश शामिल हैं।

ईरान की जवाबी रणनीति : ईरानी सरकार की प्रवक्ता फातेमेह मोहाजेरानी ने मंगलवार को कहा कि तेहरान ने समुद्री नाकेबंदी जैसी स्थितियों के लिए 2024 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के समय से ही तैयारी कर ली थी। उन्होंने कहा कि ईरान अब उत्तरी, पूर्वी और पश्चिमी व्यापारिक गलियारों का उपयोग कर रहा है जो खाड़ी बंदरगाहों पर निर्भर नहीं हैं, ताकि नाकेबंदी के प्रभाव को बेअसर किया जा सके।

तेल की कीमतों में उछाल : दोनों पक्षों के बीच जारी गतिरोध के कारण तेल की कीमतों में मंगलवार को फिर से लगभग 3% की वृद्धि हुई। बाजार विश्लेषकों का कहना है, व्यापारियों के लिए अब बयानबाजी नहीं, बल्कि होर्मुज के माध्यम से कच्चे तेल का वास्तविक प्रवाह मायने रखता है। शिप-ट्रैकिंग डाटा से पता चला कि हाल के दिनों में अमेरिकी नाकेबंदी से ईरानी तेल से लदे कम से कम छह टैंकरों को वापस ईरान लौटने पर मजबूर होना पड़ा है।

ईरान बोला - होर्मुज से भारतीय जहाजों के गुजरने पर रोक नहीं...

10 हजार भारतीयों की सुरक्षा प्राथमिकता, चाबहार रेलवे लाइन का 90% काम पूरा

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी (राजधानी चौपाल)| भारत में ईरान के राजदूत डॉ. मोहम्मद फतहाली ने कहा है कि संघर्ष के बावजूद ईरान होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की सुरक्षित आवाजाही तय कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत सहित सभी दोस्त देशों के जहाजों पर किसी तरह की रोक नहीं है। एक इंटरव्यू में फतहाली ने कहा कि जो देश ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजराइल की कार्रवाई में शामिल नहीं हैं, उनके जहाज सामान्य तरीके से होर्मुज से गुजर सकते हैं। कई भारतीय जहाज इस रास्ते से गुजर भी चुके हैं। उन्होंने चाबहार पोर्ट को रीजनल कनेक्टिविटी के लिहाज से बेहद अहम बताते हुए कहा कि यह परियोजना लगातार आगे बढ़ रही है और कभी रुकी नहीं है।

फतहाली के मुताबिक चाबहार-जोहेदान रेलवे लाइन का लगभग 90% काम पूरा हो चुका है और जल्द ही रेल लाइन बिछाने का काम खत्म हो जाएगा। फतहाली ने यह भी कहा कि ईरान में रहने वाले करीब 10 हजार भारतीय नागरिकों की सुरक्षा तय करना सरकार की प्राथमिकता है। ईरान भारतीयों और अपने नागरिकों में कोई भेदभाव नहीं करता है।

ईरानी विदेश मंत्री ने पुतिन से मुलाकात की

रूसी राष्ट्रपति बोले- ईरान अपनी आजादी के लिए लड़ रहा; ट्रम्प अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे

वॉशिंगटन डीसी/तेहरान (राजधानी चौपाल)| ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने सोमवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। बैठक में रूस ने ईरान के प्रति खुला समर्थन जताया। रूसी मीडिया के मुताबिक, पुतिन ने कहा कि ईरानी जनता साहस और वीरता के साथ अपनी आजादी और संप्रभुता के लिए लड़ रही है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें ईरान के सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई का संदेश मिला है। अराघची की यह यात्रा ऐसे समय हुई है, जब अमेरिका और ईरान के बीच हालिया बातचीत किसी नतीजे पर नहीं पहुंच सकी। ऐसे में ईरान रूस का समर्थन मजबूत करने में जुटा है।

उधर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प आज अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम के साथ अहम बैठक करेंगे। इसमें ईरान के साथ जारी तनाव, रुकी बातचीत और आगे की रणनीति पर चर्चा होगी। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बैठक में ईरान पर दोबारा बमबारी शुरू करने के विकल्प पर भी चर्चा हो सकती है।

ट्रम्प बोले- ईरान के पास बहुत कम वक्त बचा है

ट्रम्प ने रविवार को ईरान को चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा कि उसके पास युद्ध खत्म करने के लिए सीजफायर पर सहमत होने के लिए सिर्फ तीन दिन हैं, नहीं तो उसकी तेल पाइपलाइन में ब्लास्ट हो जाएगा। फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा कि अगर ईरान तेल का निर्यात नहीं कर पाता, तो पाइपलाइन में दबाव बढ़ेगा। ऐसा इसलिए होगा क्योंकि तेल को जहाजों या स्टोरेज टैंकों में भेजने का रास्ता बंद है और उस पर नाकेबंदी लगी हुई है। उन्होंने दावा किया कि जब तेल का बहाव अचानक रोकना पड़ता है, तो पाइपलाइन के अंदर दबाव बनता है और तकनीकी व प्राकृतिक कारणों से वह फट सकती है। ट्रम्प के मुताबिक, अगर ऐसा हुआ तो पाइपलाइन को पहले जैसी हालत में दोबारा बनाना लगभग नामुमकिन होगा और उसकी क्षमता भी काफी घट जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

ट्रम्प बोले- ईरान को परमाणु हथियार नहीं बनाने देंगे : मैंने वहां जो किया वो कामयाब रहा, ईरानी सरकार ने 42,000 बेगुनाहों को मारा

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी (राजधानी चौपाल) | अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर कहा है कि ईरान को परमाणु हथियार बनाने नहीं दिया जा सकता। उन्होंने कहा कि अगर आप (दुनिया) इससे सहमत हैं, तो मैंने जो किया वह पूरी तरह सफल रहा, क्योंकि हमारी सेना ने उन्हें पूरी तरह कमजोर कर दिया। ट्रम्प ने आरोप लगाया कि ईरान की सरकार ने वहां विरोध प्रदर्शन करने वाले 42,000 बेगुनाह और निहत्थे लोगों की हत्या की है। यह एक उग्रवादी समूह है, लेकिन हमने उन्हें पूरी तरह कमजोर कर दिया है और उनकी अर्थव्यवस्था चौपट हो चुकी है।

वहीं, अमेरिका पहली बार ईरान के खिलाफ हाइपरसोनिक मिसाइलों का इस्तेमाल कर सकता है। अमेरिका की सेंट्रल कमांड के कमांडर ने राष्ट्रपति ट्रम्प को ईरान के खिलाफ संभावित हमला करने के विकल्पों की जानकारी दी है। फॉक्स न्यूज के मुताबिक एडमिरल ब्रैड कूपर ने व्हाइट हाउस के सिचुएशन रूम में ट्रम्प के साथ बैठक में ये विकल्प पेश किए। इसमें बताया गया कि अगर ट्रम्प दोबारा हमले का फैसला लेते हैं, तो एक 'छोटा लेकिन बहुत ताकतवर हमला' किया जा सकता है।

दक्षिणी लेबनान में इजराइली हमलों में 12 लोग मारे गए

लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि नबातीह क्षेत्र के हब्बूश कस्बे पर इजराइली हमले में मरने वालों की संख्या अब बढ़कर 8 हो गई है, यह जानकारी लेबनान की राष्ट्रीय समाचार एजेंसी (एनएए) ने दी है। मृतकों में एक बच्चा और दो महिलाएं शामिल थीं। मंत्रालय ने बताया कि दो बच्चों और एक महिला सहित इक्कीस लोग घायल भी हुए हैं। एनएनए ने यह भी बताया कि सिडोन जिले के जरारीह कस्बे पर हुए हमलों में दो महिलाओं समेत चार लोग मारे गए और चार घायल हो गए।

ट्रम्प बोले- ईरान वैसा समझौता नहीं कर रहा है जैसा अमेरिका चाहता है

ईरान के साथ मौजूदा स्थिति पर अमेरिकी राष्ट्रपति ने फ्लोरिडा के द विलेजेस चार्टर स्कूल में बोलते हुए ट्रंप ने कहा कि "ईरान उस तरह का समझौता नहीं कर रहे हैं जो हमें चाहिए, और हम इस काम को ठीक से पूरा करके रहेंगे। अमेरिकी उद्देश्यों को प्राप्त किए बिना ईरान के साथ संघर्ष को जल्दी समाप्त नहीं करेंगे।"

बम के बाकी बचे हिस्से फटने से ईरान की IRGC के 14 सैनिकों की मौत

स्टेट टीवी की रिपोर्ट के हवाले से एपी ने बताया कि ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड के 14 सदस्य बम के बचे हुए हिस्से के फटने से मारे गए। ईरान की सुरक्षा के करीब मानी जाने वाली नूरन्यूज़ वेबसाइट की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि धमाका उत्तरी शहर जंजान के पास हुआ, जो तेहरान के उत्तर-पश्चिम में है। 7 अप्रैल को सीज़फ़ायर शुरू होने के बाद से मारे गए रिवोल्यूशनरी गार्ड सदस्यों की यह सबसे बड़ी संख्या थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि गोला-बारूद में लड़ाई के दौरान गिराए गए क्लस्टर बम और एयर माइंस शामिल थे।

ट्रम्प बोले- ईरान पर हमले के लिए संसदीय इजाजत जरूरी नहीं

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के खिलाफ संभावित सैन्य कार्रवाई को लेकर कहा है कि उन्हें इसके लिए कांग्रेस (संसद) से इजाजत लेने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि जो लोग इस मंजूरी की मांग कर रहे हैं, वे देशभक्त नहीं हैं। ट्रम्प ने उस कानून (वॉर पावर्स रेजोल्यूशन) पर भी सवाल उठाया, जिसके तहत राष्ट्रपति को सेना भेजने के 60 दिनों के अंदर कांग्रेस से अनुमति लेनी होती है। उनका कहना है कि पहले भी कई राष्ट्रपति इस नियम का पालन नहीं करते रहे हैं और कई लोग इसे सही नहीं मानते। ट्रम्प ने यह भी कहा कि ईरान को कभी भी परमाणु हथियार बनाने नहीं दिया जाएगा। ट्रम्प ने स्पेन और इटली जैसे देशों पर नाराजगी जताई। उनका कहना है कि ये देश अमेरिका की ईरान के खिलाफ कार्रवाई में पूरा साथ नहीं दे रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अगर कोई यह सोचता है कि ईरान के पास परमाणु हथियार होना ठीक है, तो यह बहुत खतरनाक सोच है। ट्रम्प के मुताबिक, अगर ईरान के पास परमाणु हथियार आ गया, तो दुनिया को बहुत बड़ी समस्या का सामना करना पड़ेगा।

ईरान के नए प्रस्ताव पर ट्रम्प सरकार का बयान देने से इनकार

ट्रम्प सरकार ने ईरान की तरफ से भेजे गए नए प्रस्ताव पर जवाब नहीं दिया है। जब व्हाइट हाउस से पूछा गया कि पाकिस्तान के जरिए भेजे गए ईरान के नए प्रस्ताव पर क्या कहना है, तो व्हाइट हाउस ने कहा कि वो प्राइवेट कूटनीतिक बातचीत पर बयान नहीं करते।

अमेरिकी सांसद बोले- जंग के बीच ट्रम्प और उनके दोस्त और अमीर हो रहे

डेमोक्रेटिक सांसद टेड लियू ने कहा है कि ईरान के साथ चल रही जंग की वजह से अमेरिका में पेट्रोल की कीमतें काफी बढ़ गई हैं और आम लोग परेशान हो रहे हैं। उन्होंने एक्स पर लिखा कि अमेरिकी लोग बुरी तरह दबाव में हैं, जबकि ट्रम्प और उनके अरबपति दोस्त और ज्यादा अमीर होते जा रहे हैं। वहीं राष्ट्रपति ने कहा है कि जैसे ही जंग खत्म होगी, ऊर्जा (तेल-गैस) की कीमतें पत्थर की तरह गिर जाएंगी।

लेबनान के स्पीकर ने इजराइल से सीजफायर पर सवाल उठाए

लेबनान की संसद के स्पीकर नबीह बेरी ने सीजफायर को लेकर नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि जब जमीन पर हमले लगातार जारी हैं, तो सीजफायर सिर्फ कागजों में ही है, असल में नहीं। उन्होंने ट्रम्प के उस बयान पर भी सवाल उठाया जिसमें सीजफायर की बात कही गई थी। बेरी के मुताबिक, इस तरह की बातों से इजराइल को हमले बढ़ाने का मौका मिल गया।

दक्षिण लेबनान में लोगों को घर खाली करने का आदेश दिया

इजराइल ने दक्षिण लेबनान के हब्बूश इलाके के लोगों को तुरंत घर खाली करने का आदेश दिया है। इजराइली सेना के प्रवक्ता अविचाय अद्रई ने कहा कि लोग कम से कम 1 किलोमीटर दूर खुले इलाके में चले जाएं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर कोई हिजबुल्लाह से जुड़े लोगों या जगहों के पास रहेगा, तो उसकी जान खतरे में पड़ सकती है।

अमेरिकी नौसेना को लगातार सप्लाई मिल रही

अमेरिका की सेना के सेंट्रल कमांड ने बताया कि उनकी नौसेना के जहाजों को लगातार ईंधन, खाना और हथियार भेजे जा रहे हैं। कुछ तस्वीरें भी शेयर की गईं, जिनमें USS डेल्बर्ट डी ब्लैक जहाज पर सामान चढ़ाते दिखाया गया। यह जहाज USS अब्राहम लिंकन ग्रुप के साथ काम कर रहा है। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के मुताबिक, अब तक इस जंग में अमेरिका को करीब 25 अरब डॉलर का खर्च आ चुका है।

बढ़ती उम्र की छाप मिटाने के लिए किशोर बच्चे और युवा भी धड़ल्ले से बिना विशेषज्ञों की निगरानी के एंटी-एजिंग उत्पादों का इस्तेमाल कर रहे हैं। जवां बनाए रखने के तरीके कहीं जानलेवा न बनें, इसके लिए प्रचलित तरीकों के छिपे खतरों को जानना जरूरी है...

जवां दिखने की चाहत बन न जाए आफत...

एजिंग यानी उम्र का बढ़ना। जैविक रूप से यह संभव नहीं है कि आप बढ़ती उम्र के प्रभाव से अछूते रहें। पर, सदियों से बढ़ती उम्र के असर को धीमा करने के लिए तरह-तरह के तरीके अपनाए जाते रहे हैं। एंटी-एजिंग कोई वैज्ञानिक शब्दावली नहीं है, लेकिन एंटी-एजिंग उत्पाद बनाने वाली कंपनियों और इनके ग्राहकों ने आज देश में इसे तीन अरब डॉलर का कारोबार बना दिया है, जो लगातार तेजी से बढ़ रहा है।

एंटी-एजिंग उत्पादों में उन दवाओं और तत्वों को शामिल किया जाता है, जो एजिंग की प्रक्रिया को धीमा करते हैं। इन्हें गोलियों, इंजेक्शन और ड्रिप्स के द्वारा लिया जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि अभी भी बहुत से उत्पाद क्लिनिकल ट्रायल में हैं और उनके कोई ठोस सुबूत नहीं हैं।

सबसे प्रचलित एंटी-एजिंग के तरीके

- **ग्लूटाथियोन** : यह एक नेचुरल एंटीऑक्सीडेंट है, जो शरीर की हर कोशिका में पाया जाता है। यह शरीर को फ्री रेडिकल्स से बचाता है और कोशिकाओं को क्षतिग्रस्त होने से रोकता है। हालांकि, उम्र बढ़ने, तनाव, खराब खानपान और प्रदूषण की वजह से ग्लूटाथियोन का स्तर धीरे-धीरे घटने लगता है। इसीलिए लोग ग्लूटाथियोन के इंजेक्शन व दवाएं लेने लगे हैं। भारत में त्वचा को गोरी, चमकदार और टाइट रखने के लिए ग्लूटाथियोन का इस्तेमाल सबसे ज्यादा किया जाता है।
- **कोलेजन सप्लीमेंट्स** : यह एक प्रकार का प्रोटीन है, जो त्वचा को लचीला बनाता है। उम्र बढ़ने के साथ यह कम होने लगता है। ऐसे में लोग बिना सोचे-समझे कोलेजन की दवाएं लेने लगते हैं। दावे किए जाते हैं कि इससे त्वचा मुलायम और जोड़ बेहतर काम करते हैं। लेकिन, यूरोपीय संघ की एजेंसी ईएफएसए के अनुसार कोलेजन सप्लीमेंट्स को लेकर जो सेहत संबंधी दावे किए जाते हैं, उसके ठोस सबूत नहीं हैं।
- **एनएडी ड्रिप** : एनएडी (निकोटिनामाइड एडेनिन डाइन्यूक्लियोटाइड) शरीर की प्रत्येक कोशिका में मौजूद एक प्रमुख को-एंजाइम है, जो ऊर्जा के निर्माण, चयापचय, डीएनए की मरम्मत और सभी कोशिकीय कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उम्र बढ़ने के साथ एनएडी का स्तर स्वाभाविक रूप से कम होता जाता है, जिससे थकान, यादाश्त कमजोर होना, ध्यान केंद्रित करने में परेशानी होना, नींद की गुणवत्ता कम होने जैसी समस्याएं होने लगती हैं। ऐसा न हो इसलिए लोग एनएडी के इंजेक्शन लेने लगते हैं।
- **बोटॉक्स** : उम्र बढ़ने के साथ चेहरे पर नजर आने वाली झुर्रियों, महीन रेखाओं और दाग-धब्बों को छिपाने के लिए बोटॉक्स ट्रीटमेंट पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा प्रचलित है। इसे बोटुलिनम टॉक्सिन नामक एक न्यूरोटॉक्सिन से बनाया जाता है, जो नसों को अस्थायी रूप से सुन्न कर देता है और मांसपेशियों की गतिविधि रोकता है। इससे झुर्रियां गायब हो जाती हैं, और चेहरा युवा व आकर्षक दिखने लगता है।
- **विटामिन सी के इंजेक्शंस** : विटामिन-सी एक प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट है जो फ्री-रेडिकल्स से कोशिकाओं को बचाता है और कोलेजन के निर्माण को बढ़ावा देता है। आजकल त्वचा को गोरा और युवा बनाए रखने के लिए विटामिन सी के इंजेक्शन लेना काफी चलन में है।

इन खतरों को पहचानें

बिना डॉक्टर की सलाह के एंटी-एजिंग उत्पाद के इस्तेमाल के मामूली से लेकर गंभीर और घातक परिणाम हो सकते हैं। जैसे ग्लूटाथियोन से एलर्जी, पेट से जुड़ी परेशानी या लिवर और किडनी की बीमारी हो सकती है। वहीं, गंभीर मामलों में ये जानलेवा भी हो सकता है। एंटी एजिंग इंजेक्शंस जैसे बोटॉक्स, डर्मा फिलर्स से खुजली, दाने, सांस लेने में दिक्कत या चक्कर आ सकते हैं। अगर साफ-सफाई का ध्यान न रखा जाए तो संक्रमण का खतरा भी होता है। कई बार आसपास की मांसपेशियां भी प्रभावित हो सकती हैं, जिससे चेहरे के भाव अजीब लग सकते हैं। कुछ अन्य खतरे हैं-

- हार्मोन्स के असंतुलन से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। इस कारण मूड में उतार-चढ़ाव, बेचैनी या अवसाद के लक्षण देखने को मिलते हैं।
- उम्र बढ़ने के सही कारण जानें बिना स्टेरॉएड्स व अन्य दवाएं लेना नुकसान पहुंचा सकता है।
- हार्मोन्स संबंधी उपचार लेना हृदय रोग व स्ट्रोक का खतरा बढ़ा सकता है।
- लंबे समय तक ग्रोथ हार्मोन या सेक्स हार्मोन का इस्तेमाल कुछ निश्चित तरह के कैंसर (स्तन और प्रोस्टेट) का खतरा बढ़ा सकता है।
- कुछ दवाएं जैसे एचजीएच का इस्तेमाल प्रतिबंधित है। ऐसे में कानूनी अड़चन भी आ सकती है।

खुद से दवाएं लेने से बचें

शैफाली जरीवाला के निधन ने एंटी-एजिंग उत्पादों के इस्तेमाल को लेकर बहस छेड़ दी है। उनकी मौत के बाद उनके घर से बड़ी मात्रा में एंटी-एजिंग और स्किन लाइटनिंग दवाएं, खासकर ग्लूटाथियोन और विटामिन सी के इंजेक्शंस मिले। बताया जा रहा है कि शेफाली बिना किसी डॉक्टर की निगरानी के लगभग आठ साल से इन दवाओं को ले रही थी। अधिकतर एंटी-एजिंग उपचार बहुत कम और अस्थायी लाभ ही देते हैं। उन्हें कितने लंबे समय तक लेना सही है, यह विशेषज्ञ तय करते हैं। इसी तरह जब किसी दवा को आईवी इंजेक्शन के रूप में लेते हैं तो शरीर की कुदरती बचाव की प्रक्रिया काम नहीं करती। दवा की अधिक मात्रा खून और ऊतकों में पहुंच जाती है, जो नुकसान भी पहुंचा सकती है।

इन्हें सुंदर चेहरा नहीं थेरेपी चाहिए... कई बार समस्या चेहरे में नहीं, सोच में होती है। एंटी-एजिंग उत्पादों का बहुत इस्तेमाल करना या सर्जरी कराते रहना अवसाद व बॉडी डिसमार्फिक डिसॉर्डर (बीडीडी) का खतरा बढ़ा सकता है।

ये कारण बनाते हैं तेजी से बूढ़ा

जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती है, वैसे-वैसे हमारे शरीर में आंतरिक और बाहरी दोनों स्तरों पर बदलाव आने लगते हैं, लेकिन कुछ लोगों में यह बदलाव अधिक तीव्र होते हैं, जिसे प्री-एजिंग कहते हैं। जिसके लक्षण बाल झड़ने, चेहरे पर झुर्रियां आने, पेट के आसपास वसा जमने, आंखों के आसपास काले घेरे व अत्यधिक थकान के रूप में दिखते हैं। कई कारक हैं, जो एजिंग की प्रक्रिया को प्रभावित करते हैं :

- तनाव, नींद की कमी, प्रदूषण, खराब खानपान, शारीरिक सक्रियता की कमी, धूम्रपान व शराब का सेवन, अस्वस्थ जीवनशैली के आनुवंशिक कारण हैं।
- ऐसे में बढ़ती उम्र को धीमा करने के लिए इन कारकों पर भी काम करने की जरूरत है। इन्हें ध्यान रखे बिना एंटी एजिंग दवाएं खाना गंभीर साबित हो सकता है।

स्वस्थ और सुरक्षित तरीके ही अपनाएं

उम्र बढ़ने की प्रक्रिया में आनुवंशिक कारक भी मायने रखते हैं, जो आपके काबू में नहीं हैं। पर, कुछ तरीके हैं, जो आपको लंबे समय तक युवा और स्वस्थ रखने में मदद करते हैं, ये हैं-

- संतुलित और पौष्टिक चीजें खाएं। मौसमी फल व सब्जियों का सेवन करें।
- शरीर को पूरा आराम दें। नींद पूरी करें।
- नियमित योग व व्यायाम करें। अनुशासित दिनचर्या अपनाएं।
- अपनी त्वचा की सफाई और अच्छी सेहत का ध्यान रखें।
- सोच सकारात्मक रखें और तनाव मुक्त रहने की कोशिश करें।

तपती धरती और सुलगता आसमान

आउटडोर वर्कर्स के लिए जीवन का संकट और बचाव का मार्ग

जेठ की दुपहरी अब केवल कविताओं तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि यह उन लाखों-करोड़ों लोगों के लिए काल का ग्रास बन रही है जो पेट की आग बुझाने के लिए आसमान से बरसती आग का सामना कर रहे हैं। देश के अधिकांश हिस्सों में पारा 40 डिग्री सेल्सियस की लक्ष्मण रेखा को पार कर 48-50 डिग्री तक पहुंचने को बेताब है। ऐसे में 'राजधानी चौपाल' की यह विशेष रिपोर्ट उन 'धूप के योद्धाओं' के लिए है—चाहे वे ट्रैफिक पुलिसकर्मी हों, डिलीवरी बॉय हों या निर्माण कार्यों में जुटे मजदूर—जिनके पास घर में दुबकने का विकल्प नहीं है।

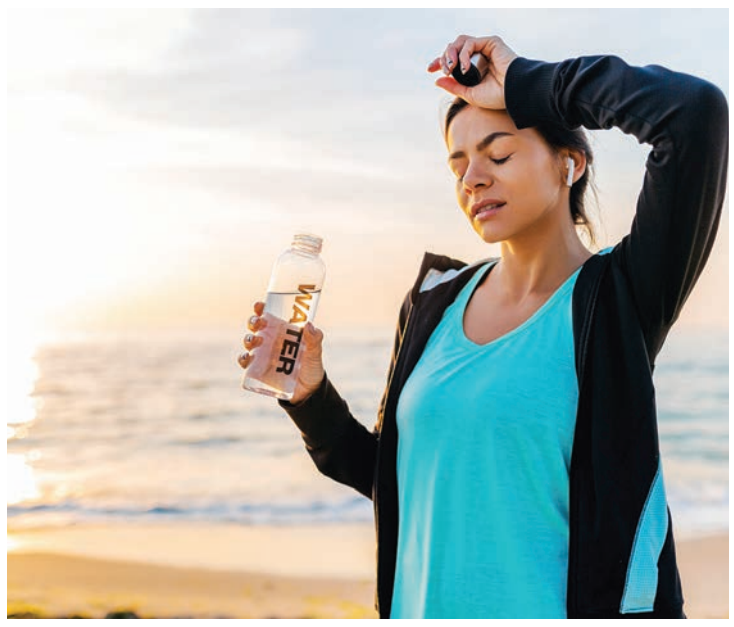

मौत का नया चेहरा और आंकड़ों की भयावह गवाही

गर्मी अब महज एक मौसमी बदलाव नहीं, बल्कि एक 'साइलेंट किलर' बन चुकी है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो (NCRB) के आंकड़े बताते हैं कि साल 2000 से 2020 के बीच लू लगने से 20,615 लोगों ने अपनी जान गंवाई। लेकिन स्वतंत्र संस्थाओं की रिपोर्ट इससे भी अधिक डराने वाली है। वेडिटम इंडिया फाउंडेशन के अनुसार, मार्च से जून 2024 के बीच केवल 17 राज्यों में ही 733 मौतें हीटस्ट्रोक से हुईं। यह अंतर दर्शाता है कि हीटस्ट्रोक से होने वाली मौतों का एक बड़ा हिस्सा सरकारी फाइलों तक समय पर नहीं पहुंच पाता और अक्सर इन्हें नजरअंदाज कर दिया जाता है।

धूप में काम करना क्यों है जानलेवा

जब हम बाहर निकलते हैं, तो हमारा शरीर पसीने के माध्यम से तापमान को नियंत्रित करने का प्रयास करता है। लेकिन जब बाहरी तापमान 40-45 डिग्री के पार जाता है, तो शरीर का टेम्परेचर कंट्रोल सिस्टम पूरी तरह जवाब दे देता है। जयपुर के अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल के डॉ. रोहित शर्मा का कहना है कि तेज धूप शरीर के इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस को बिगाड़ देती है। सूर्य की अल्ट्रावायलेट किरणें न केवल त्वचा को झुलसाती हैं, बल्कि रक्त के संचार को भी प्रभावित करती हैं, जिससे मस्तिष्क और हृदय तक ऑक्सीजन की सप्लाई बाधित हो सकती है।

आउटडोर वर्कर्स पर मंडराते बड़े हेल्थ रिस्क

लगातार धूप में रहने वाले कामगारों को कई गंभीर खतरों का सामना करना पड़ता है। इनमें सबसे प्रमुख हीट स्ट्रोक है, जहाँ शरीर का तापमान 104 डिग्री फारेनहाइट के पार चला जाता है। इसके अलावा हीट एग्जॉशन के कारण कमजोरी, चक्कर आना और मतली की समस्या आम हो जाती है। गंभीर डिहाइड्रेशन अंगों की कार्यक्षमता को प्रभावित करता है, जबकि इलेक्ट्रोलाइट इम्बैलेंस मांसपेशियों में भयानक ऐंठन पैदा करता है। अत्यधिक गर्मी के कारण होने वाला मानसिक भ्रम और क्रोनिक फटीग व्यक्ति की निर्णय लेने की क्षमता को भी क्षीण कर देता है।

हृदय और गुर्दों पर गर्मी का सीधा प्रहार

राजधानी चौपाल की पड़ताल में यह गंभीर तथ्य सामने आया है कि गर्मी का असर केवल ऊपरी त्वचा तक सीमित नहीं है। डॉ. शर्मा के अनुसार, जब शरीर डिहाइड्रेटेड होता है, तो रक्त गाढ़ा होने लगता है। गाढ़े रक्त को पंप करने के लिए हृदय पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है, जिससे हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है। वहीं, किडनी को रक्त साफ करने के लिए पर्याप्त तरल नहीं मिलता, जिससे यूरिया और क्रिएटिनिन का स्तर खतरनाक रूप से बढ़ सकता है। जो लोग पहले से हृदय रोगी या डायबिटिक हैं, उनके लिए यह स्थिति साक्षात संकट के समान है।

पोषण और हाइड्रेशन का मजबूत कवच

यदि आपका काम आपको बाहर जाने पर मजबूर करता है, तो खाली पेट निकलना आत्मघाती कदम हो सकता है। सुबह घर से निकलने से पहले हल्का लेकिन पौष्टिक नाश्ता जैसे दलिया या पोहा जरूर लें। पानी की कमी को पूरा करने के लिए केवल सादा पानी पर्याप्त नहीं है; आपको छाछ, नारियल पानी, नींबू पानी या बेल का शरबत जैसे प्राकृतिक इलेक्ट्रोलाइट्स का सहारा लेना चाहिए। इसके अलावा तरबूज, खरबूज और खीरा जैसे हाइड्रेटिंग फलों का सेवन शरीर के जल स्तर को बनाए रखने में बेहद मददगार साबित होता है।

पहनावा और सुरक्षा के जरूरी साधन

राजधानी की गर्मी में सिंथेटिक या टाइट कपड़े पहनना सेहत पर भारी पड़ सकता है। हमेशा हल्के रंग के और ढीले सूती कपड़े पहनें ताकि हवा का संचार बना रहे और पसीना आसानी से सूख सके। गहरे रंग धूप को सोखते हैं, इसलिए सफेद या हल्के रंगों का चुनाव करें। इसके साथ ही अपने सिर को गमछे, टोपी या कैप से ढंकना न भूलें। धूप से आंखों के बचाव के लिए सनग्लासेस का उपयोग करें और अपने पास हमेशा पानी की बोतल एवं ओआरएस का पैकेट सुरक्षित रखें।

समय का प्रबंधन और वर्क शेड्यूल

धूप में काम करने वालों के लिए शिफ्ट मैनेजमेंट जीवन रक्षक साबित हो सकता है। सबसे कठिन और अधिक शारीरिक मेहनत वाले काम सुबह 6 से 10 बजे के बीच या शाम को 5 बजे के बाद निपटाने की कोशिश करें। दोपहर 12 से 4 बजे के बीच, जब सूरज की तपिश चरम पर होती है, तब काम का दबाव कम रखें। हर एक घंटे के निरंतर काम के बाद कम से कम दस से पंद्रह मिनट के लिए किसी छायादार या ठंडी जगह पर विश्राम करना शरीर को रिकवर करने में मदद करता है।

हाई रिस्क श्रेणी और विशेष सावधानी

राजधानी चौपाल उन लोगों को विशेष चेतावनी देता है जो उच्च जोखिम श्रेणी में आते हैं। 50 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों, हृदय और किडनी के मरीजों तथा मधुमेह के रोगियों को बाहर काम करते समय अत्यधिक सावधानी बरतनी चाहिए। इन लोगों का शरीर तापमान के उतार-चढ़ाव के प्रति बहुत संवेदनशील होता है। यदि आप नियमित दवाओं का सेवन कर रहे हैं, तो गर्मी में अपने काम के घंटों को लेकर डॉक्टर से सलाह जरूर लें और प्यास लगने का इंतजार किए बिना अंतराल पर पानी पीते रहें।

आपातकालीन स्थिति में तुरंत राहत के उपाय

यदि काम के दौरान आपको या आपके किसी साथी को चक्कर आए, सिरदर्द हो या त्वचा बहुत गर्म और सूखी महसूस हो, तो इसे हल्के में न लें। प्रभावित व्यक्ति को तुरंत किसी ठंडी और छायादार जगह पर ले जाएं। उसके सिर और शरीर पर ठंडे पानी की पट्टियां रखें या संभव हो तो ठंडा पानी डालें। उसे धीरे-धीरे ओआरएस का घोल या नींबू पानी पिलाएं। यदि व्यक्ति बेहोश हो जाए या स्थिति में सुधार न दिखे, तो बिना समय गंवाए उसे नजदीकी चिकित्सा केंद्र या अस्पताल पहुंचाना सुनिश्चित करें।

जागरूकता ही जीवन का आधार है

अंततः, राजधानी की तपती सड़कों पर काम करना आपकी व्यावसायिक मजबूरी हो सकती है, लेकिन स्वास्थ्य की रक्षा आपकी व्यक्तिगत जिम्मेदारी है। जागरूकता ही इस भीषण लू से बचने का एकमात्र प्रभावी रास्ता है। प्यास न लगने पर भी पानी पीना, सही समय पर ब्रेक लेना और उचित खान-पान को अपनाकर आप गर्मी के इन घातक प्रहारों से बच सकते हैं। याद रखें कि सुरक्षित रहकर ही आप अपने कर्तव्यों का निर्वहन लंबे समय तक कर पाएंगे।

शाकाहारियों में विटामिन B12 और D की कमी : एक खामोश खतरा

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हम अक्सर छोटी-मोटी शारीरिक तकलीफों को नजरअंदाज कर देते हैं। सुबह उठते ही थकान महसूस होना, सीढ़ियां चढ़ते वक्त पैरों में कमजोरी या बिना किसी काम के भी बदन दर्द रहना—ये अब आम शिकायतें बन चुकी हैं। लोग इसे काम का तनाव मानकर टाल देते हैं, लेकिन असल में यह आपके शरीर के भीतर पनप रही पोषक तत्वों की कमी का संकेत हो सकता है। विशेष रूप से विटामिन B12 और विटामिन D की कमी भारतीय आबादी, खासकर शाकाहारियों में एक गंभीर संकट की तरह उभर रही है। राजधानी की बदलती जीवनशैली और खान-पान की आदतों ने इस समस्या को और भी पेचीदा बना दिया है।

शाकाहारी आहार और B12 का पेचीदा रिश्ता

शाकाहार को स्वास्थ्य के लिए श्रेष्ठ माना जाता है, लेकिन जब बात विटामिन B12 की आती है, तो शाकाहारियों के लिए चुनौतियां बढ़ जाती हैं। विटामिन B12 मुख्य रूप से पशु उत्पादों में पाया जाता है। चूंकि शाकाहारी भोजन में ये विकल्प शामिल नहीं होते, इसलिए शरीर में इस विटामिन का स्तर धीरे-धीरे गिरने लगता है। B12 हमारे नर्वस सिस्टम (तंत्रिका तंत्र) को दुरुस्त रखने और रेड ब्लड सेल्स के निर्माण के लिए अनिवार्य है। इसकी कमी से केवल शारीरिक कमजोरी ही नहीं, बल्कि याददाश्त में कमी और मानसिक धुंधलापन जैसी समस्याएं भी घर कर सकती हैं।

विटामिन D: 'सनशाइन' की कमी और बंद कमरों की संस्कृति

विटामिन D जिसे 'सनशाइन विटामिन' भी कहा जाता है, की कमी का सबसे बड़ा कारण हमारी बदली हुई लाइफस्टाइल है। राजधानी के लोग अब अपना ज्यादातर समय एयर-कंडीशन्ड ऑफिसों, बंद कमरों और मेट्रो में बिताते हैं। धूप से हमारा संपर्क लगभग खत्म हो गया है। विटामिन D केवल हड्डियों को मजबूत नहीं बनाता, बल्कि यह हमारी इम्यूनिटी और मूड को भी कंट्रोल करता है। धूप की कमी के कारण हड्डियां भुरभुरी होने लगती हैं, जिसे मेडिकल भाषा में ऑस्टियोपोरोसिस या ऑस्टियोमलेशिया कहा जाता है।

शरीर के इन 'अलार्म' को पहचानें: लक्षण और संकेत

जब शरीर में इन दो विटामिनों की भारी कमी होती है, तो शरीर कुछ खास संकेत देने लगता है। विटामिन D की कमी होने पर मांसपेशियों में लगातार खिंचाव, जोड़ों में दर्द और बेवजह उदासी छाई रहती है। वहीं, विटामिन B12 की कमी होने पर हाथ-पैरों में झनझनाहट (चींटियां चलना), बार-बार सुन्न हो जाना और एकाग्रता की कमी जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। यदि आप अक्सर संतुलन खोने लगते हैं या चलते समय लड़खड़ाहट महसूस होती है, तो यह संकेत है कि B12 का स्तर खतरनाक रूप से कम हो चुका है और आपके न्यूरॉन्स प्रभावित हो रहे हैं।

सप्लीमेंट की जरूरत: कब और क्यों?

कई बार केवल डाइट से विटामिन की कमी पूरी नहीं हो पाती। ऐसा तब होता है जब शरीर का पाचन तंत्र इन पोषक तत्वों को सोख नहीं पाता। बुजुर्गों या पेट की बीमारियों से जूझ रहे लोगों में यह समस्या आम है। ऐसी स्थिति में डॉक्टर सप्लीमेंट्स, ओरल कैप्सूल या इंजेक्शन की सलाह देते हैं। याद रखें, विटामिन सप्लीमेंट्स 'कैंडी' नहीं हैं; इनका ओवरडोज किडनी और लीवर पर बुरा असर डाल सकता है। इसलिए, जब खून की जांच में कमी की पुष्टि हो जाए और डाइट बेअसर लगे, तभी विशेषज्ञ की देखरेख में सप्लीमेंट का कोर्स शुरू करें।

क्या है सही स्तर? आंकड़ों की जुबानी समझें

डॉक्टरी मानकों के अनुसार, विटामिन की कमी को मापने के लिए कुछ निश्चित पैमाने तय किए गए हैं।

- **विटामिन D**: यदि जांच में इसका स्तर 12 NG/ML से कम आता है, तो आप गंभीर कमी का शिकार हैं। 20 से 50 NG/ML के बीच के स्तर को पर्याप्त और सामान्य माना जाता है। विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि बिना डॉक्टरी सलाह के 50 NG/ML से ऊपर स्तर ले जाने की कोशिश न करें, क्योंकि विटामिन D की अधिकता भी नुकसानदेह हो सकती है।
- **विटामिन B12**: इसका स्तर 200 PG/ML से कम होना खतरे की घंटी है। 200 से 300 PG/ML के बीच का स्तर बॉर्डरलाइन माना जाता है, जहां आपको अपनी डाइट पर तुरंत ध्यान देने की जरूरत होती है। 300 PG/ML से ऊपर का स्तर सेहतमंद माना जाता है।

खान-पान में बदलाव: शाकाहारियों के लिए बेहतर विकल्प

शाकाहारी लोग दूध और डेयरी उत्पादों के जरिए विटामिन B12 की भरपाई कर सकते हैं। रोजाना एक गिलास दूध, ताजा दही, पनीर और चीज को अपनी डाइट का हिस्सा बनाएं। अगर आप 'लेक्टो-ओवो' शाकाहारी हैं (जो अंडे खाते हैं), तो अंडे का सेवन एक बेहतरीन विकल्प है। फर्मेंटेड फूड जैसे इडली, डोसा या फोर्टिफाइड अनाज भी इसमें मददगार साबित होते हैं। विटामिन D के लिए सुबह की 15-20 मिनट की गुनगुनी धूप सबसे कारगर और मुफ्त इलाज है। मशरूम और फोर्टिफाइड दूध भी कुछ हद तक विटामिन

ट्रम्प ने यूरोपीय यूनियन की कार-ट्रकों पर 25% टैरिफ लगाया : कहा- व्यापार समझौते का पालन नहीं कर रहे

वॉशिंगटन डीसी (राजधानी चौपाल) | अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को घोषणा की है कि अगले हफ्ते से यूरोपीय संघ (EU) से आने वाली कारों और ट्रकों पर टैरिफ बढ़ाकर 25% कर दिया जाएगा।

ट्रम्प का कहना है कि यूरोपीय संघ पहले से तय व्यापार समझौते का पालन नहीं कर रहा है, इसलिए यह फैसला लिया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर यूरोपीय कंपनियां अमेरिका में ही कार और ट्रक बनाएंगी, तो उन पर कोई टैक्स नहीं लगाया जाएगा।

ट्रम्प के अनुसार, इस समय अमेरिका में कई नई ऑटोमोबाइल और ट्रक फैक्ट्रियां बन रही हैं, जिनमें 100 बिलियन डॉलर से ज्यादा का निवेश हो रहा है। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका में इस तरह का निवेश और विकास पहले कभी नहीं देखा गया। इन फैक्ट्रियों में अमेरिकी लोगों को रोजगार मिलेगा। पिछले साल ट्रम्प और EU से बीच समझौता हुआ था ट्रम्प जिस व्यापार समझौते की बात कर रहे हैं वो उनके और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन के बीच पिछले साल जुलाई में हुआ था। इस समझौते को 'टर्नबेरी एग्रीमेंट' कहा जाता है, जिसका नाम स्कॉटलैंड में ट्रम्प के गोल्फ कोर्स के नाम पर रखा गया है।

इस समझौते का मकसद अमेरिका और EU के बीच बढ़ते व्यापारिक तनाव को कम करना था। इस डील के तहत दोनों पक्षों ने आपसी व्यापार को संतुलित करने और टैरिफ विवाद को कम करने पर सहमति जताई थी।

अमेरिका ने EU से आने वाले समान पर 15% टैरिफ लगाया था : समझौते के मुताबिक, EU से अमेरिका आने वाले अधिकांश सामानों पर 15% टैरिफ तय किया गया था। यह बड़ा फैसला माना गया था, क्योंकि इससे पहले ट्रम्प प्रशासन 30% तक टैरिफ लगाने की चेतावनी दे चुका था।

इसके बदले में यूरोपीय संघ ने अमेरिका में निवेश बढ़ाने और कुछ आर्थिक नीतियों में बदलाव करने का वादा किया था, जिससे अमेरिकी निर्यात को बढ़ावा मिल सके। हालांकि शुरुआत में इस डील को राहत के रूप में देखा गया, लेकिन बाद में कई मुद्दों पर मतभेद सामने आए थे। स्टील और एल्युमिनियम पर टैरिफ को लेकर अमेरिका और यूरोप के बीच विवाद बढ़ गया था, जिसमें जर्मनी और फ्रांस जैसे देशों ने अमेरिकी प्रस्तावों का विरोध किया था।

इसके अलावा, इस साल अमेरिका सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया कि राष्ट्रपति को आर्थिक आपातकाल घोषित कर EU के सामान पर टैरिफ लगाने का अधिकार नहीं है। इसके बाद टैरिफ की सीमा कुछ मामलों में घटाकर 10% कर दी गई थी।

ट्रम्प से इस फैसले से यूरोप, खासकर जर्मनी और फ्रांस जैसे देशों की अर्थव्यवस्था में ऑटोमोबाइल सेक्टर को बड़ा नुकसान उठाना पड़ सकता है। टैरिफ बढ़ने से यूरोपीय गाड़ियां अमेरिकी बाजार में महंगी हो जाएंगी, जिससे उनकी मांग घट सकती है। इसका सीधा असर कंपनियों के मुनाफे और प्रोडक्शन पर पड़ेगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अगर निर्यात घटता है तो यूरोपीय कंपनियां प्रोडक्शन कम कर सकती हैं, जिससे नौकरियों पर असर पड़ सकता है। इसके अलावा, निर्यात में गिरावट से यूरोप की आर्थिक वृद्धि भी धीमी हो सकती है।

अमेरिका में भी महंगाई बढ़ सकती है : इस फैसले का असर अमेरिका पर भी पड़ेगा। यूरोपीय कारों के महंगे होने से अमेरिकी ग्राहकों को ज्यादा कीमत चुकानी पड़ेगी। साथ ही बाजार में ऑप्शन भी सीमित हो सकते हैं। आशंका जताई गई है कि यूरोपीय संघ जवाबी कार्रवाई कर सकता है और अमेरिकी उत्पादों पर टैरिफ बढ़ा सकता है। अगर ऐसा होता है, तो यह विवाद एक बड़े 'ट्रेड वॉर' का रूप ले सकता है, जिससे दोनों पक्षों को नुकसान होगा।

किंग चार्ल्स का तंज-हम न होते तो अमेरिकी फ्रेंच बोलते : ट्रम्प ने कहा था- विश्व युद्ध में मदद न करते तो यूरोप जर्मन बोलता

वॉशिंगटन डीसी (राजधानी चौपाल) | किंग चार्ल्स तृतीय ने मंगलवार को व्हाइट हाउस में स्टेट डिनर के दौरान डोनाल्ड ट्रम्प पर हल्के-फुल्के अंदाज में तंज कसा। उन्होंने कहा कि अगर ब्रिटिश न होते तो आज अमेरिकी फ्रेंच बोल रहे होते। चार्ल्स ने कहा- आपने हाल ही में कहा था कि अगर अमेरिका नहीं होता तो यूरोपीय देश जर्मन बोल रहे होते। तो मैं यह कहने की हिम्मत करता हूं कि अगर हम (ब्रिटिश) नहीं होते तो आप लोग फ्रेंच बोल रहे होते। करीब 250 साल पहले जब अमेरिका आजाद नहीं था, तब ब्रिटेन और फ्रांस दोनों वहां अपनी-अपनी पकड़ बनाना चाहते थे। दोनों देशों के बीच इस बात को लेकर लड़ाई हुई कि उत्तरी अमेरिका पर किसका कब्जा रहेगा। आखिर में इस लड़ाई में ब्रिटेन जीत गया। किंग चार्ल्स का इशारा इसी तरफ था।

इससे पहले जनवरी में दावोस समिट के दौरान डोनाल्ड ट्रम्प ने यूरोपीय देशों और उनके सहयोग को लेकर एक बयान दिया था। ट्रम्प ने कहा था कि दूसरे विश्व युद्ध में अगर अमेरिका ने बड़ी भूमिका न निभाई होती तो आज यूरोप का नक्शा और वहां की भाषा दोनों अलग होते। उनके मुताबिक उस समय जर्मनी और जापान काफी ताकतवर थे। अगर उन्हें रोका नहीं जाता तो वे कई देशों पर कब्जा कर सकते थे। इसी संदर्भ में उन्होंने कहा, 'अगर अमेरिका मदद के लिए नहीं आता तो आज आप लोग जर्मन और थोड़ा जापानी बोल रहे होते।' इस बयान के जरिए ट्रम्प यह बताना चाहते थे कि अमेरिका ने युद्ध में निर्णायक भूमिका निभाई थी और यूरोप की आजादी बनाए रखने में बड़ा योगदान दिया था। साथ ही, वे यह भी संकेत दे रहे थे कि आज भी यूरोप अपनी सुरक्षा के लिए काफी

हद तक अमेरिका पर निर्भर है।

किंग चार्ल्स ने व्हाइट हाउस में हुए बदलावों पर भी ट्रम्प पर चुटकी ली। उन्होंने कहा कि ईस्ट विंग में बहुत 'रीएडजस्टमेंट' हो रहे हैं। ट्रम्प ने 400 मिलियन डॉलर का बड़ा बॉलरूम बनाने के लिए पुराने हिस्से को गिरा दिया है। इस पर चार्ल्स ने हंसते हुए कहा, "हमने भी 1814 में व्हाइट हाउस के रियल एस्टेट डेवलपमेंट की अपनी कोशिश की थी।" असल में वह 1814 की घटना याद दिला रहे थे, जब ब्रिटिश सैनिकों ने व्हाइट हाउस को आग लगा दी थी। किंग चार्ल्स इतने पर ही नहीं रुके। उन्होंने मजाक में यह भी कहा कि आज का डिनर 'बोस्टन टी पार्टी' से काफी बेहतर है। बोस्टन टी पार्टी 16 दिसंबर 1773 को हुई थी। उस समय अमेरिका, ब्रिटेन का उपनिवेश था। ब्रिटेन ने वहां के लोगों पर कई टैक्स लगाए थे, खासकर चाय पर। इससे नाराज होकर लोगों ने समुद्र में चाय फेंक दी थी। यह घटना अमेरिका की आजादी की लड़ाई की शुरुआत की बड़ी वजहों में से एक मानी जाती है।

RNI No. HARHIN/25/A3341, प्रकाशक, मुद्रक स्वामी एवं संपादक राहुल कुमार द्वारा सूचना प्रिंटर्स 33एस मॉडल टाउन, हिसार से छपवाकर कार्यालय आदमपुर मंडी हिसार, (किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र हिसार न्यायालय होगा)।
संपादक : राहुल कुमार, फोन : 9306813001, e-mail : rajdhanichoupal@gmail.com, प्रकाशन स्थल : मकान संख्या : 114, शांति पार्क के पास, मंडी आदमपुर, हिसार (हरियाणा)